



PHYSICS

BOOKS - BHARATI BHAWAN PHYSICS (HINDI)

बहुवैकल्पिक प्रश्न-टाइप

स्थिर वैद्युतिकी

1. विद्युत-क्षेत्र \vec{E} का SI मात्रक है

A. $Cm^2 - 2)$

B. NC^{-1}

C. Am

D. Vm^{-1}

Answer: B



वीडियो उत्तर देखें

2. किसी बिन्दुवत आवेश Q से कुछ दुरी d पर विद्युत-विभव 600 V तथा विद्युत-क्षेत्र $200NC^{-1}$ है।

A. $Q = 0.2 \times 10^{-3} C$

B. $d = 3m$

C. आवेश Q से $9 m$ कि दुरी d से $d' = 9m$ कि दुरी

पर विभत $200 V$ है।

D. $1\mu C$ आवेश को दी गई दुरी d से $d' = 9m$ तक

विस्थपित करने में संपादित कार्य $= 4 \times 10^{-4} J$

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

3. इनमे से कौन-सी राशि/राशियाँ अदिश (scalar) हैं?

A. आवेश

B. धारिता

C. विभव

D. विद्युत तीव्रता

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

4. निम्न में से कौन - सी राशियाँ , शून्य विभव या शून्य स्थितिज ऊर्जा के चयन पर निर्भर नहीं करती ?

A. किसी बिन्दु पर विभव

B. दो बिन्दुओं के बीच विभवांतर

C. दो आवेशों के निकाय की स्थितिज ऊर्जा

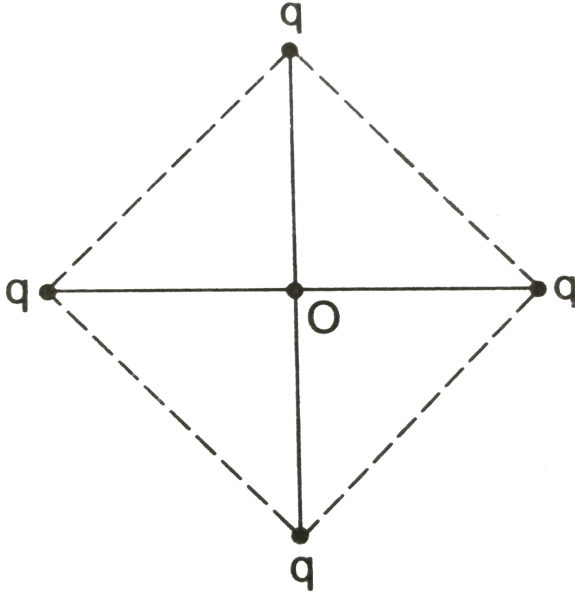
D. दो आवेशों के निकाय में स्थितिज ऊर्जा का परिवर्तन

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

5. समान परिणाम q के चार सजातीय आवेश किसी वर्ग (square) के चार कोनों पर स्थित हैं।



A. केन्द्र Q पर विभव (potential) शून्य है

B. केन्द्र O पर विद्युत-क्षेत्र शून्य है

C. केन्द्र O से होकर वर्ग के तल के लंबवत रेखा के

प्रत्येक बिन्दु पर विभव शून्य है

D. विकल्प 'c' में व्यक्त रेखा के प्रत्येक बिन्दु पर (केन्द्र

O को छोड़कर) आवेशों के निकाय के कारण क्षेत्र की

दिशा उस रेखा के अनुरेख (along) होगी।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

6. समान परिणाम के चार आवेश किसी वर्ग के चार कोनो

पर स्थित है। वर्ग के केन्द्र पर विभव V तथा क्षेत्र E है।

आवेशों के चिन्ह के अनुकूल चयन (appropriate choice

) द्वारा निम्नलिखित अवस्थाओं में किन्हे प्राप्त किया जा सकता है?

A. $V = 0, E = 0$

B. $V = 0, E \neq 0$

C. $V \neq 0, E = 0$

D. $V \neq 0, E \neq 0$

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

7. समान परिणाम Q के दो कण A और B एक-दूसरे से अनंत दूरी पर स्थित हैं। कण B को स्थिर रखते हुए कण A (द्रव्यमान m) को B की ओर वेग v प्रदान किया जाता है। विद्युतीय प्रतिकर्षण के कारण दोनों कणों के बीच न्यूनतम दूरी d हो, तब

A. $d \propto Q^2$

B. $d \propto \frac{1}{v^2}$

C. $d \propto Q$

D. $d \propto \frac{1}{m}$

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

8. yz -तल में रखे R त्रिज्या के किसी रिंग का केन्द्र मूलबिंदु (origin) पर स्थिर है। रिंग पर आवेश Q एक-समान रूप से (uniformly) वितरित है।

A. मूलबिंदु पर विद्युत-क्षेत्र शून्य है

B. मूलबिंदु पर विभव $= \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \frac{Q}{R}$

C. x -अक्ष पर केंद्र से x दूरी पर क्षेत्र $= \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \frac{Q}{x^2}$

D. x -अक्ष पर केंद्र से x दूरी पर क्षेत्र

$$= \frac{1}{4\pi \epsilon_0} \frac{Q}{R^2 + x^2}$$

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

9. किसी समविभावी पृष्ठ (equipotential surface) S

के एक बिन्दु P पर विद्युत-क्षेत्र \vec{E} है।

A. सभी अवस्थाओं में \vec{E} को पृष्ठ S पर अनिवार्यतः

लंबवत होना चाहिए।

B. \vec{E} की दिशा पृष्ठ S पर लंबवत होगी जब S एक

समतल पृष्ठ (plane surface) हो।

C. \vec{E} का पृष्ठ S के समांतर घटक शून्य होगा।

D. पृष्ठ S को मात्रा वक्र (curved) होने की स्थिति में

\vec{E} के अशून्य घटक पृष्ठ के समांतर होगा।

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

10. निम्नलिखित कथनों में कौन कथन सही है?

A. किसी विद्युत द्विध्रुव के निरक्षीय तल के किसी बिन्दु

पर विद्युत-क्षेत्र की दिशा इसके द्विध्रुव-आघूर्ण के

प्रतिसमंतर होती है।

B. विधुत-क्षेत्र रेखाएँ केवल एक बिन्दु पर कटती है।

C. विधुत-क्षेत्र रेखाएँ (+q) आवेश से निकलकर (-q)

आवेश पर समाप्त होती है।

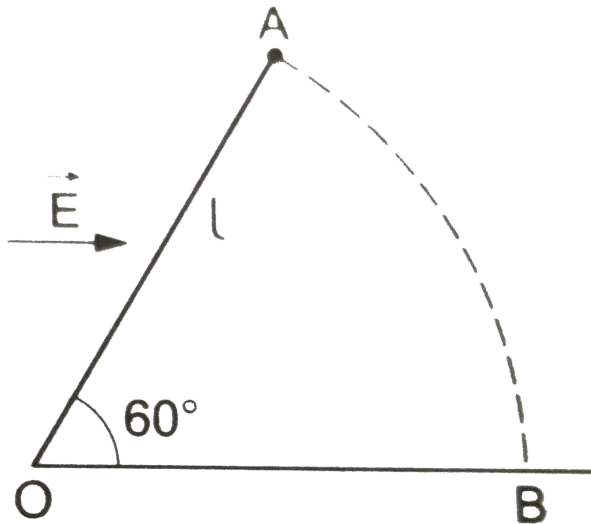
D. आवेश का स्तित्व हमेशा द्रव्यमान के साथ होता है।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

11. द्रव्यमान m का एक आवेशित कण (आवेश q) । लम्बाई के किसी हल्के अविस्तार्य (inextensible) धागे से बंधा है तथा दूसरा सिरा बिन्दु O से बंधा है। सम्पूर्ण व्यवस्था किसी चिकने क्षैतिज तल पर स्थित है (चित्र 2.2)। प्रारम्भ में कोण की स्थिति A पर है और उसी समय एकसमान विद्युत-क्षेत्र \vec{E} , OB दिशा के समान्तर स्थापित किया जाता है।



A. बिन्दु B पर कण की चाल $= \sqrt{\frac{qEl}{m}}$

B. बिन्दु B पर कण की चाल $= \sqrt{\frac{2qEl}{m}}$

C. बिन्दु B पर धागे में तनाव शून्य है

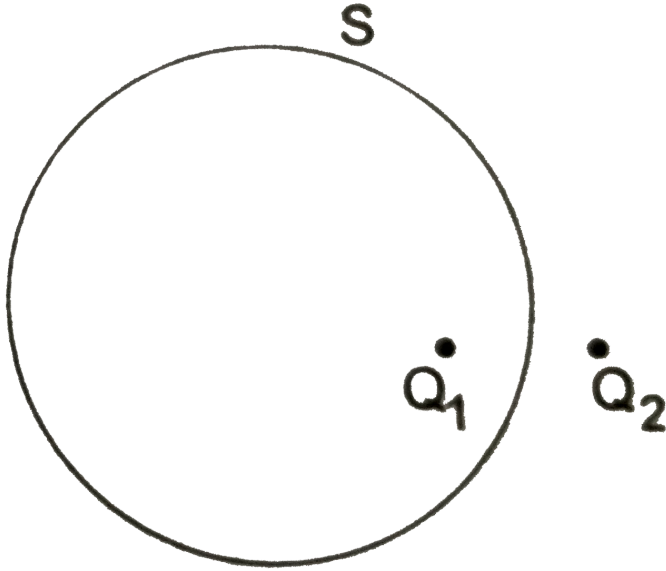
D. बिन्दु B पर धागे में तनाव $2qE$ है

Answer: A:D

 वीडियो उत्तर देखें

12. चित्र 2.3 में प्रदर्शित किसी बंद तल S के भीतर और बहार विद्युत आवेश क्रमशः Q_1 और Q_2 स्थित है। यदि बंद तल S के किसी बिन्दु पर विद्युत-क्षेत्र का परिणाम E हो तथा तल से

गुजरनेवाले नेट विद्युत-फ्लक्स ϕ हो तब



A. Q_1 के परिवर्तन से E और ϕ दोनों में परिवर्तन होगा।

B. Q_2 के परिवर्तन से E में परिवर्तन होगा ϕ अप्रभावित

रहेगा।

C. यदि $Q_1 = 0$ तथा $Q_2 \neq 0$, तब $E \neq 0$,

लेकिन $\phi = 0$.

D. यदि $Q_1 \neq 0$ तथा $Q_2 = 0$, तब $E = 0$,

लेकिन $\phi \neq 0$.

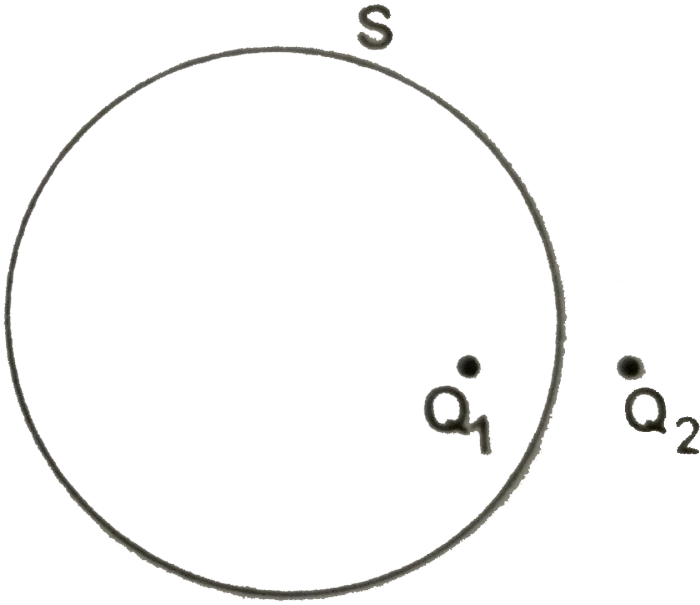
Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

13. चित्र 2.3 में प्रदर्शित बंद तल S किसी सुचालक पदार्थ का अनावेशित गोलीय खोल (uncharged spherical shell)

है तथा Q_1, Q_2 के बीच दूरी r है।



A. Q_1 पर आरोपित नेट बल = शून्य

B. Q_1 पर आरोपित नेट बल $= \frac{1}{4\pi \epsilon_0} / \frac{Q_1 Q_2}{r^2}$

C. Q_2 पर आरोपित नेट बल $\frac{1}{4\pi \epsilon_0} / \frac{Q_1 Q_2}{r^2}$

D. Q_2 पर आरोपित नेट बल = शून्य

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

14. परस्पर स्थिर वैधुत बलो के अधीन तीन आवेशित कण संतुलन (equilibrium) में स्थित है।

A. कणो को अवश्य ही समरेखिक (collinear) होना चाहिए।

B. तीनो आवेश के परिणाम (magnitude) समान नहीं हो सकते।

C. तीनों आवेश सजातीय, अर्थात् समान चिन्ह के नहीं हो सकते।

D. संतुलन की प्रकृति अस्थायी (unstable) है।

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

15. एकसमान विद्युत-क्षेत्र \vec{E} में \vec{p} आघूर्ण का एक विद्युत-द्विध्रुव रखा है। द्विध्रुव पर कार्यकारी टॉर्क एवं नेट बल क्रमशः $\vec{\tau}$ तथा \vec{F} है।

A. $\left| \vec{F} \right| = 0$

B. $\left| \vec{F} \right| = pE$

C. $\vec{\tau} = \vec{E} \times \vec{p}$

D. $\vec{\tau} = \vec{p} \times \vec{E}$

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

16. किसी समांतर पट्टिका संधरित्र को किसी सेल से संयोजित (connected) रखते हुए उसकी प्लेटो के बीच की दूरी को दोगुना (double) कर दिया जाता है।

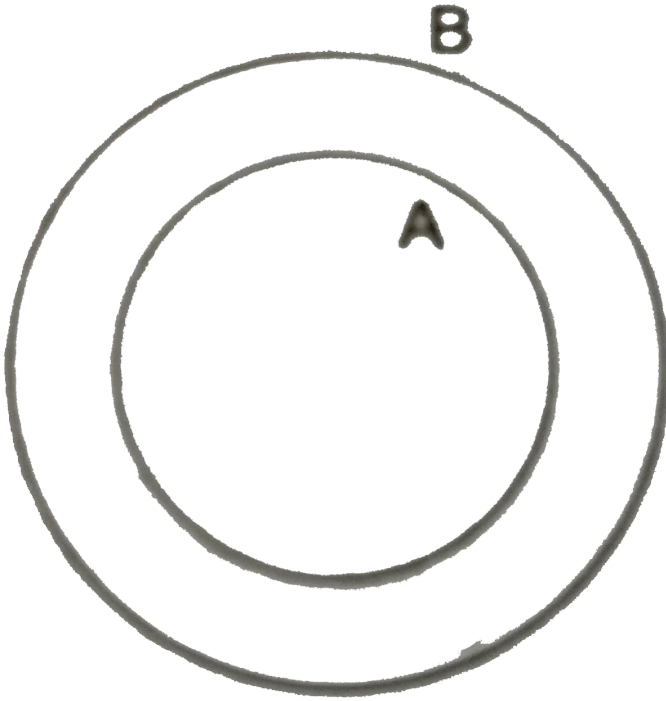
- A. संधरित्र की प्लेटो पर आवेश दोगुना हो जाएगा।
- B. प्लेटो के बीच विभवांतर परिवर्तित हो जायेगा।
- C. प्लेटो के बीच विधुत-क्षेत्र अपरिवर्तित रहेगा।
- D. बाह्यकर्ता द्वारा प्लेटो पर कुछ कार्य संपादित होगा।

Answer: B::D

 वीडियो उत्तर देखें

17. चित्र 2.4 में प्रदर्शित सुचालक गोला A अन्य खोखले सुचालक गोले B के भीतर स्थित है। A और B को क्रमशः

Q_1 तथा Q_2 आवेश दिया गया है।



A. A की बाहरी सतह पर Q_1 आवेश रहेगा।

B. B की भीतरी सतह पर $-Q_2$ आवेश रहेगा।

C. B की बाहरी सतह पर Q_2 आवेश रहेगा।

D. B की बाहरी सतह पर $Q_1 + Q_2$ आवेश रहेगा।

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

18. अति लम्बे आवेशित तार के गुर्द q आवेशयुक्त द्रव्यमान m का एक कण r त्रिज्या के वृत्तीय पथ एक एकसमान चाल v से चक्कर लगा रहा है। यदि तार पर आवेश का रैखिक घनत्व (linear density of charge) λ हो, तब

A. $v \propto \sqrt{q}$

B. $v \propto \sqrt{\lambda}$

C. $v \propto \frac{1}{\sqrt{m}}$

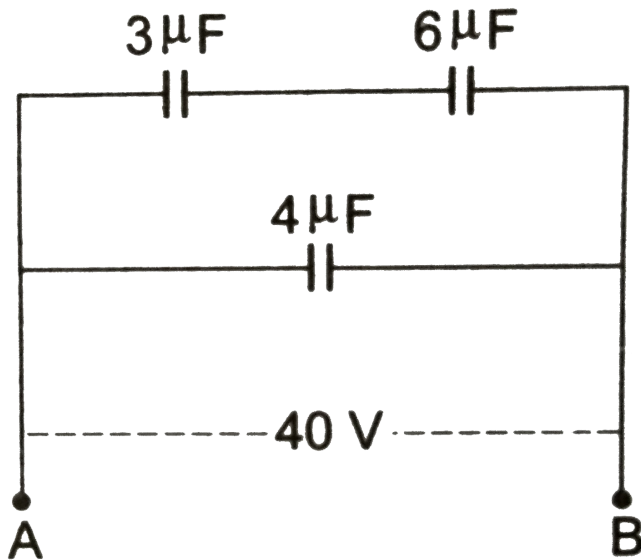
D. $v \propto r^{\circ}$

Answer: A::B::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

19. चित्र 2.5 में प्रदर्शित व्यवस्था में $6\mu F$ धारिता के संधारित्र की प्लेटों के बीच विभवांतर V है तथा A एवं B बिन्दुओं के

बीच तुल्य धारिता X है।



A. $V = \frac{40}{3} V$

B. $V = \frac{80}{3} V$

C. $X = \frac{36}{13} \mu F$

D. $X = 6\mu F$

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

20. एक समांतर पट्टिका संधारित्र को किसी सेल से जोड़कर अवशित करने के बाद सेल को हटा दिया जाता है। आवेशित संधारित्र की प्लेटो के बीच दुरी को बढ़ाया जाता है ।

- A. प्लेटो के बीच विभवांतर घटेगा।
- B. प्लेटो के बीच आकर्षण बल घटेगा।
- C. प्लेटो के बीच विद्युत-क्षेत्र अपरिवर्तित रहेगा।
- D. संधारित्र में संचित विद्युत ऊर्जा बढ़ेगी।

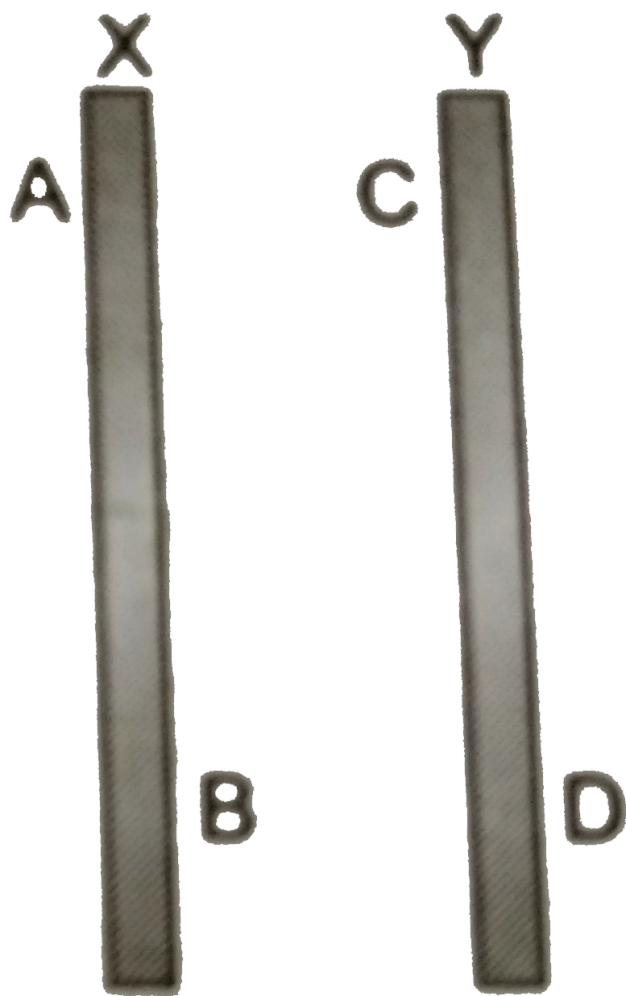
Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

21. एक-दूसरे के समांतर व्यस्थित दो विशाल सुचालक प्लेट X तथा Y को क्रमशः Q_1 और Q_2 आवेश दिया गया है। चित्र

2.6 में A, B, C, D द्वारा प्रदर्शित है।



A. A और D prastho पर आवेश के परिणाम भिन्न होंगे।

B. A और D दोनों पर समान आवेश $\frac{1}{2}(Q_1 + Q_2)$ होगा।

C. B और C पर आवेश परिणाम एव कृत प्रकृति दोनों में भिन्न होंगे।

D. B पर आवेश $\frac{1}{2}(Q_1 - Q_2)$ तथा C आवेश $\frac{1}{2}(Q_2 - Q_1)$ होगा।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

22. किसी समांतर पट्टिका सधारित्र के लिए, प्लेटों का क्षेत्रफल =A प्लेटों के बीच दूरी =d प्लेटों पर आवेश +Q तथा -Q है। यदि प्लेटों के बीच आकर्षण-बल F हो, तब

A. $F \propto Q^2$

B. $F \propto \frac{1}{A}$

C. $F \propto d$

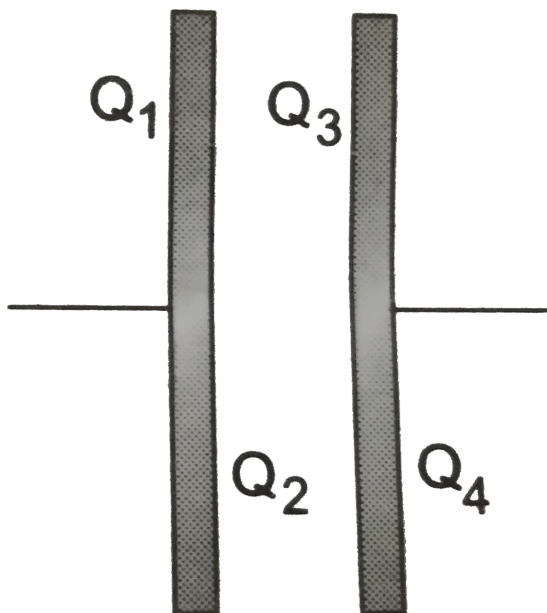
D. $F \propto \frac{1}{d}$

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

23. किसी आवेशित (charged) समांतर पट्टिका संधारित्र की चार प्लेटों पर आवेश का वितरण चित्र में प्रदर्शित है। यदि संधारित्र की धारिता (capacitance) C हो, तो प्लेटों के बीच विभवांतर होगा



A. $\frac{1}{C}(Q_1 + Q_2)$

B. $\frac{|Q_2|}{C}$

C. $\frac{|Q_3|}{C}$

D. $\frac{1}{C}[(Q_1 + Q_2) - (Q_3 - Q_4)]$

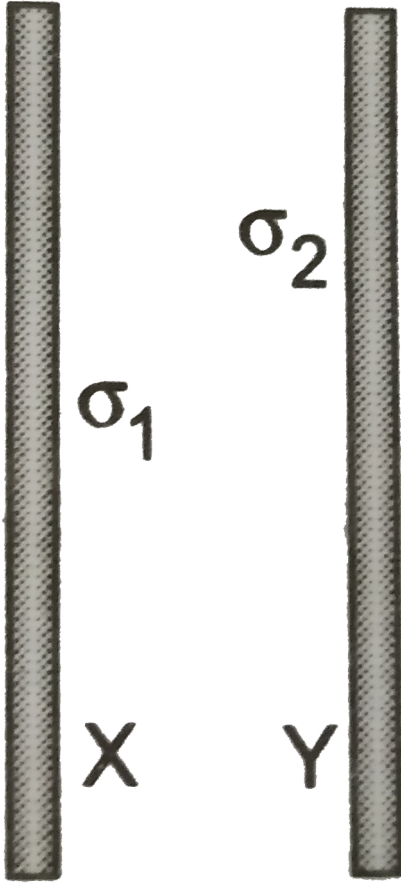
Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

24. एक जैसी दो आवेशित सोचालक प्लेटों के आंतरिक पृष्ठ X तथा Y परस्पर समांतर हैं। इन पृष्ठों पर आवेश का पृष्ठ-घनत्व (अर्थात् प्रति एकांक क्षेत्रफल पर विद्युत-आवेश) क्रमशः

σ_1 तथा σ_2 हैं।



A. सभी अवस्थाओं में $\sigma_1 = -\sigma_2$

B. मात्र एक प्लेट आवेशित रहने पर $\sigma_1 = -\sigma_2$

C. दोनों प्लेटों को समान आवेश देने पर

$$\sigma_1 + \sigma_2 = 0$$

D. $\sigma_1 > \sigma_2$, यदि X को Y की अपेक्षा अधिक आवेश

दिया गया हो

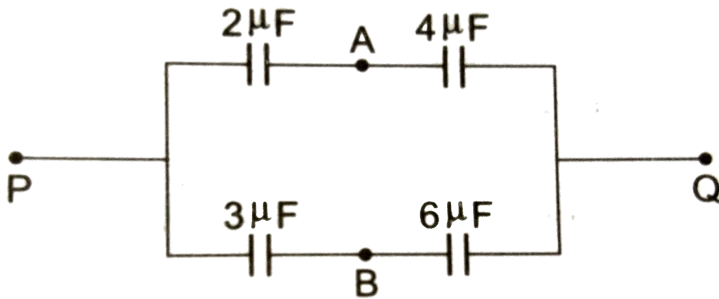
Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

25. चित्र में प्रदर्शित चार संधारित्रों को आवेशित करने के लिए P एवं Q बिन्दुओं के बीच एक निश्चित विभवांतर आरोपित किया गया है। बिन्दु A एवं B को एक सुचालक तार

से जोड़ देने पर



- A. A एव B के बीच आवेश प्रवाहित होगा।
- B. A एव B के बीच आवेश का प्रवाह नहीं होगा ।
- C. P एव Q के बीच तुल्य धारित बदल जायेगी।
- D. P एव Q के बीच तुल्य धारित अपरिवर्तित रहेगी।

Answer: B::C

 वीडियो उत्तर देखें

26. धारिता C के किसी संधारित्र को विद्युत-वाहक बल \mathcal{E} के किसी सेल द्वारा आवेशित किया जाता है और फिर उस आवेशित किया जाता है और फिर उस आवेशित संधारित्र को सेल से संबंधी-विच्छेद कर पुनः विपरीत ध्रुवता (opposite polarity) के साथ सेल से जोड़ा जाता है। इस दूसरी प्रक्रिया में

A. सेल द्वारा संपादित कुल आवेश $= 2C\mathcal{E}$

B. सेल द्वारा प्रवाहित कुल आवेश $= 2c\mathcal{E}$

C. परिपथ में उत्पादित ऊष्मा $\frac{1}{2}C\mathcal{E}^2$

D. संधारित्र में संचित प्रारंभिक ऊर्जा का मान अंतिम ऊर्जा से अधिक है।

Answer: A::B

 वीडियो उत्तर देखें

धरा विद्युत

1. किसी चालक से प्रवाहित आवेश Q को समय t के फलन (function) के रूप में समीकरण $Q(t) = at - \frac{1}{2}bt^2$ से व्यक्त किया जाता है। चालक से प्रवाहित धारा

A. समय के साथ रेखिकतः (linearly) घटती है।

B. समय $t = \frac{a}{b}$ पर धरा घटकर शून्य हो जाती है।

C. समय के साथ बढ़ते हुए महत्तम मान प्राप्त करती है

और फिर घटती है।

D. समय के साथ -b दर से घटती है।

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

2. किसी चालक से प्रवाहित आवेश Q की निर्भरता समय के सापेक्ष समीकरण $Q = at - \frac{1}{2}bt^2 + \frac{1}{6}ct^3$ द्वारा व्यक्त होती है, जहाँ a , b तथा c धनात्मक नियतांक है, सही विकल्प हैं -

A. धारा का प्रारंभिक मान $=a$

B. धारा को महत्तम मान प्राप्त करने में लगा समय

$$t = \frac{b}{c}$$

C. धारा को न्यूनतम मान प्राप्त करने में लगा समय

$$t = \frac{b}{c}$$

D. धारा का महत्तम अथवा न्यूनतम मान है

$$\left(a - \frac{b^2}{2c} \right)$$

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

3. यदि किसी परिपथ में परिवर्तन धारा (varying current

) $I(t)$ समय के फलन के रूप में समीकरण

$I(t) = 2At - 3Bt^2$ से व्यक्त हो, जहाँ A तथा B उचर

है, तब

A. $t = 0$ पर धारा शून्य है ।

B. $t = \frac{2A}{3B}$ पर धारा शून्य है ।

C. $t = 0$ से $t = T$ के अंतराल में प्रवाहित नेट आवेश
 $= AT^2 - BT^3$

D. $t = \frac{A}{3B}$ पर धारा का मान महत्तम है।

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

4. किसी निवर्तित डायोड (vacuum diode) के दो समतल समांतर इलेक्ट्रोडो का पृष्ठ-क्षेत्रफल A तथा उनके बीच दूर d है। इलेक्ट्रोडो के बीच उच्च स्थायी विभवांतर V स्थापित करने पर डायोड से I धारा प्रवाहित है। कैथोड से x दुरी पर इलेक्ट्रॉनों का वेग v तथा आवेश घनत्व ρ है। मान ले की उत्सर्जित इलेक्ट्रॉन का प्रारंभिक वेग शून्य है तथा इनके प्रवाह से इलेक्ट्रोडो के बीच स्थिर विद्युत क्षेत्र अप्रभावित रहता है। प्रत्येक इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान m है।

$$A. v = \sqrt{\frac{2eVx}{md}}$$

$$B. \rho = \frac{I}{A} \sqrt{\frac{2md}{3Vx}}$$

$$C. v = \sqrt{\frac{eVx}{2md}}$$

$$D. \rho = \frac{I}{A} \sqrt{\frac{md}{2eVx}}$$

Answer: A::D

 वीडियो उत्तर देखें

5. $R_1, R_2, R_2, , , \dots$ प्रतिरोध के अनेक प्रतिरोधक श्रेणीक्रम में संयोजित है तथा संयोजन के सिरों के बीच स्थायी विभवांतर V आरोपित किया गया है। परिपथ का तुल्य प्रतिरोध R_s है तथा R_1, R_2, R_3, \dots के सिरों के बीच विभवांतर क्रमशः V_1, V_2, V_3, \dots है।

A. प्रत्येक प्रतिरोध के समान धारा I प्रवाहित होती है।

$$B. V = V_1 + V_2 + V_3 + \dots$$

C.

$$V_1 \left(\frac{R_1}{R_s} \right) V, V_2 = \left(\frac{R_2}{R_s} \right) V, V_3 \left(\frac{R_3}{R_s} \right) V, \dots$$

$$D. \frac{1}{V} = \frac{1}{V_1} + \frac{1}{V_2} + \frac{1}{V_3} + \dots$$

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

6. समान प्रतिरोध R के एक जैसे N प्रतिरोध (resistors) परस्पर समान्तरक्रम में संयोजित है तथा संयोजन के सिरो के बीच स्थायी विभवांतर V आरोपित किया गया है। संयोजन

का तुल्य प्रतिरोध R_P है तथा प्रत्येक प्रतिरोधक से समान धारा प्रवाहित हो रही है।

A. $R_P = NR$

B. $R_P = \frac{R}{N}$

C. $I = \left(\frac{V}{R_P} \right) N$

D. $I = \frac{1}{N} \left(\frac{V}{R_P} \right)$

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

7. विद्युत-वाहक बल ε तथा आंतरिक प्रतिरोध r के एक जैसे N सेल श्रेणीक्रम में जुड़े हैं जिसे बाह्य प्रतिरोध R के एक अन्य प्रतिरोधक के सिरो के बीच जोड़कर परिपथ पूरा किया जाता है। परिपथ में मात्र एक सेल ध्रुवता के अनुसार सही नहीं जोड़ा जाता है। यदि परिपथ में प्रवाहित धारा I हो, तब

$$\text{A. } I = \frac{(N - 1)\varepsilon}{Nr + R}$$

$$\text{B. } I = \frac{(N - 2)\varepsilon}{Ne + R}$$

$$\text{C. परिपथ का तुल्य प्रतिरोध} = (N - 1)r + R$$

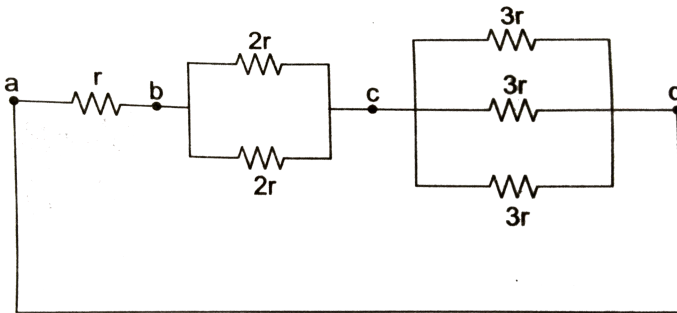
$$\text{D. परिपथ का तुल्य प्रतिरोध} = Nr + R$$

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

8. चित्र 2.10 में विभिन्न प्रतिरोध के प्रतिरोधक की व्यवस्था प्रदर्शित है।



A. बिन्दु a एव b के बीच तुल्य प्रतिरोध = r

B. बिन्दु a एव b के बीच तुल्य प्रतिरोध = $\frac{2r}{3}$

C. बिन्दु a एव c के बीच तुल्य प्रतिरोध = $\frac{2r}{3}$

D. बिन्दु a एव c के बीच तुल्य प्रतिरोध = $2r$

Answer: B::C

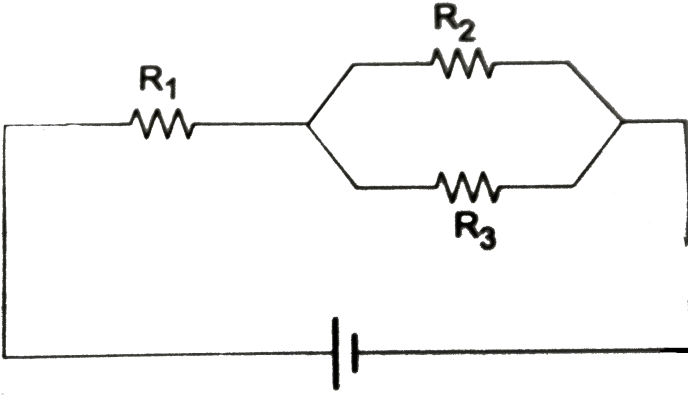


वीडियो उत्तर देखें

9. चित्र 2.11 में प्रदर्शित व्यवस्था में $R_1 = 1\Omega$, $R_2 = 3\Omega$

तथा $R_3 = 6\Omega$ है। धरा प्रवाह के कारण प्रति सेकंड उत्पन्न

ऊष्मा



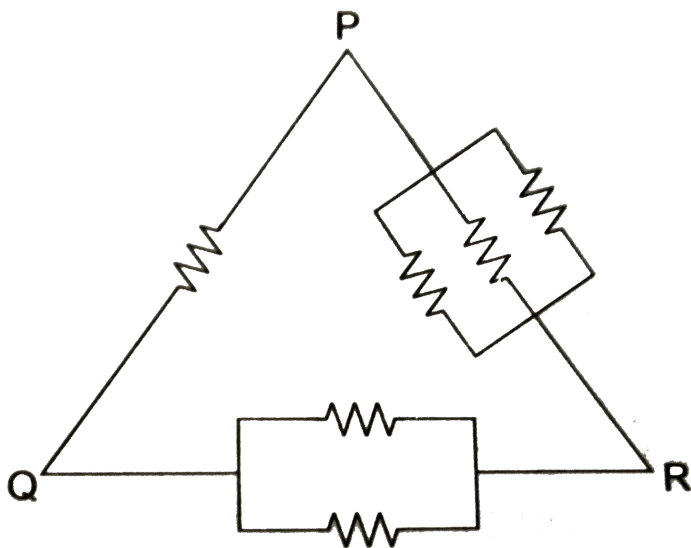
- A. R_1 में महत्तम होगी।
- B. R_1 में न्यूनतम होगी।
- C. R_2 में महत्तम होगी।
- D. R_3 में न्यूनतम होगी।

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

10. समान प्रतिरोध के छह (six) प्रतिरोधक P Q एव R बिन्दुओ के बीच चित्र 2.12 में प्रदर्शित रूप से जोड़े गए हैं। तुल्य प्रतिरोध होगा



A. P और Q के बीच महत्तम

B. P और R के बीच महत्तम

C. P और Q के बीच न्यूनतम

D. P और R के बीच न्यूनतम

Answer: A::D

 वीडियो उत्तर देखें

11. 280Ω प्रतिरोध वाले किसी वोल्टमीटर से किसी बैटरी से ध्रुवों के बीच मापा गया विभवांतर 1.40 V है तथा किसी विभवमापी (potentiometer) द्वारा 1.55 V मान प्राप्त होता है।

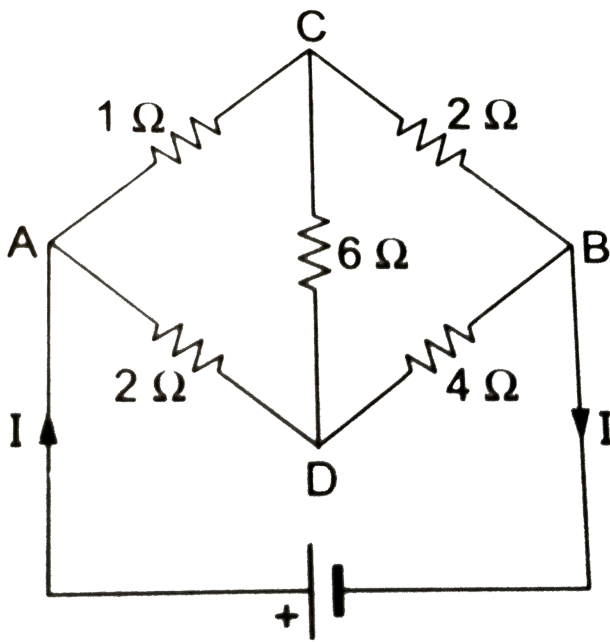
- A. बैटरी का विद्युत-वाहक बल 1.55 है।
- B. बैटरी का विद्युत-वाहक बल 1.40 V है।
- C. बैटरी का आंतरिक प्रतिरोध 15Ω है।
- D. बैटरी का आंतरिक प्रतिरोध 30Ω है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

12. प्रदर्शित परिपथ का प्रवाहित मुख्य धरा । बिंदु A से प्रवेश करती है तथा बिंदु B से बहार आती है



A. A एव B के बिच तुल्य प्रतिरोधी $2\ \Omega$ है।

B. C एव D के बीच विभवांतर शून्य है।

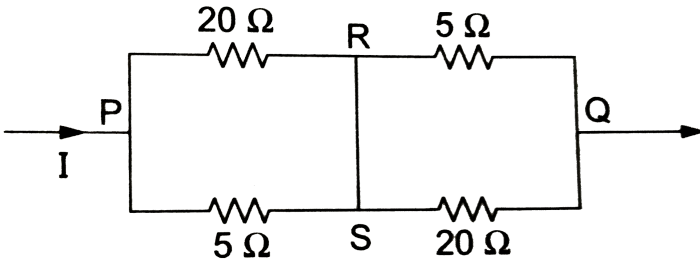
C. $1\ \Omega$ के प्रतिरोधक से प्रवाहित धरा $\frac{2I}{3}$ है।

D. $6\ \Omega$ के प्रतिरोधक से प्रवाहित धारा शून्य है।

Answer: A::B::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

13. प्रदर्शित परिपथ में धारा I बिंदु P से प्रवेश करती है तथा क्यू में बहार निकलती है।



A. P एवं Q के बीच तुल्य प्रतिरोधी 8Ω है।

B. R से S में प्रवाहित धारा शून्य है।

C. R तथा S समान विभव पर है।

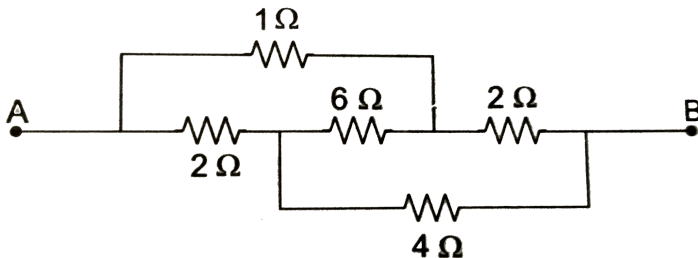
D. S से R की और प्रवाहित धारा $\frac{3}{5}I$ है।

Answer: A::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

14. A एव B बिन्दुओं के बीच नियत विभवांतर रखा गया है।

A और B के बीच तुल्य प्रतिरोध R है।



A. $R = 2\Omega$

B. $R = 1.5\Omega$

C. $R = 15\Omega$

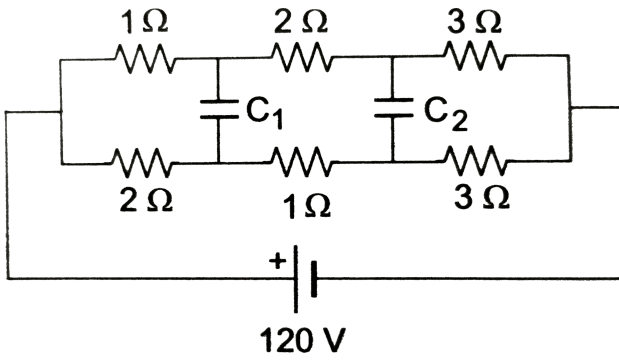
D. 6Ω के प्रतिरोधक से प्रवाहित धारा शून्य है

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

15. प्रदर्शित परिपथ में यदि $C_1 = C_2 = 2\mu F$, स्थायी अवस्था में इन संधारित्रों पर संचित आवेश है

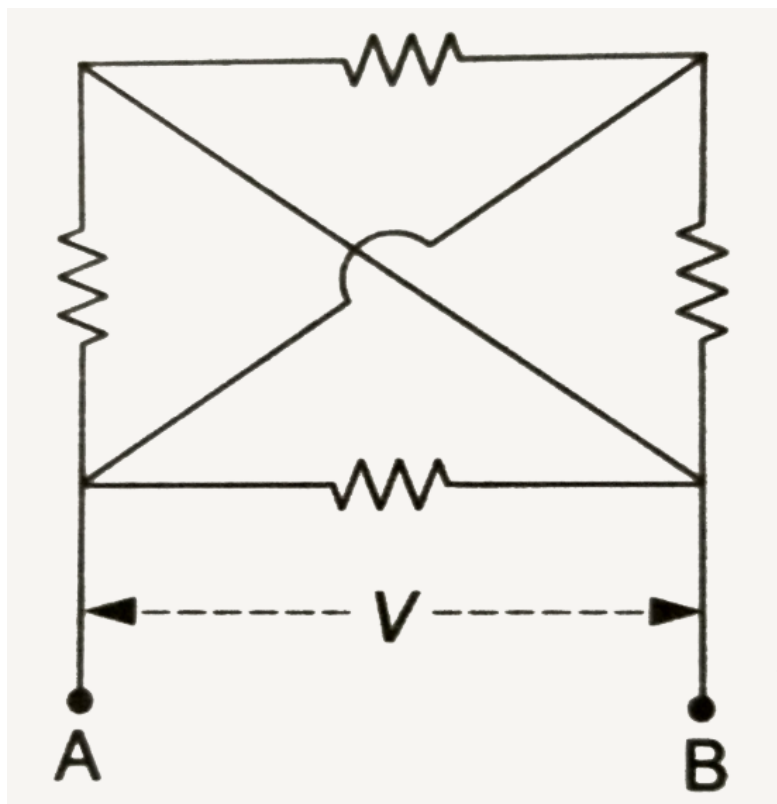


- A. संधारित्र C_1 पर शून्य
- B. संधारित्र C_2 पर शून्य
- C. C_1, C_2 दोनों पर शून्य
- D. संधारित्र C_1 पर $40\mu C$

Answer: B::D

 वीडियो उत्तर देखें

16. प्रदर्शित विद्युत-परिपथ में प्रत्येक प्रतिरोधक (resistor) का प्रतिरोध 4Ω हैं तथा A एव B बिन्दुओं के बीच नियत विभवांतर $V = 8$ वोल्ट है



A. AB के बीच तुल्य प्रतिरोध $= 2\Omega$

B. AB के बीच तुल्य प्रतिरोध $= 1\Omega$

C. प्रत्येक प्रतिरोधक से असमान धारा प्रवाहित होती है।

D. प्रत्येक प्रतिरोधक से 2 A की समान धारा प्रवाहित होती है।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

17. प्रदर्शित विद्युत-परिपथ में विकरणों (diagonals) के रूप में संयोजित तार एक-दूसरे को केंद्र पर स्पर्श करे तब A एव B बिन्दुओं के बीच तुल्य प्रतिरोध होगा

A. 4Ω

B. 1Ω

C. शून्य

D. अनंत

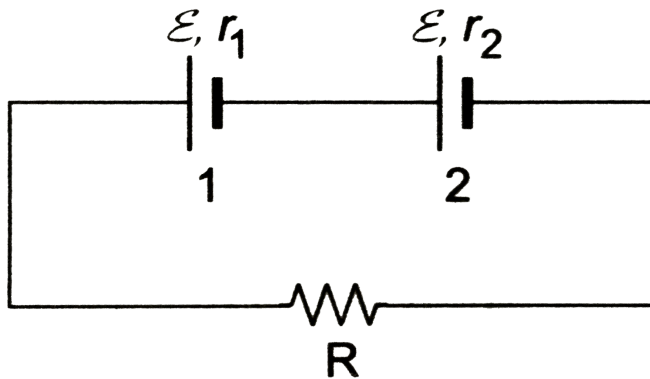
Answer: C



वीडियो उत्तर देखें

18. प्रदर्शित परिपथ में दोनों सेल 1 तथा 2 के विद्युत-वाहक बल \mathcal{E} समान हैं, लेकिन उनके आंतरिक प्रतिरोध r_1 तथा r_2

भिन्न है बाह्य प्रतिरोध R स्थायी धारा प्रवाहित हो रही है।



A. सेल-1 के टर्मिनल के बीच विभवांतर शून्य होने के

लिए $R = (r_1 - r_2)$

B. सेल-2 के टर्मिनल के बीच विभवांतर शून्य होने के

लिए $R = (r_2 - r_1)$

C. $R = \sqrt{r_1 + r_2}$, जब दोनों सेलो के टर्मिनल के

बीच विभवांतर शून्य हो

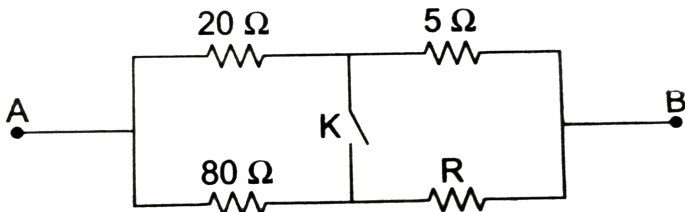
D. $R = \frac{r_1 + r_2}{2}$, जब दोनों सेलो के टर्मिनल के

बीच विभवांतर शून्य हो

Answer: A::B

 वीडियो उत्तर देखें

19. प्रदर्शित परिपथ में स्विच K खुला रहने पर A एव B के बीच तुल्य प्रतिरोध 20Ω है। निम्नलिखित विकल्पों में कौन



सही है?

A. a. $R = 20\Omega$

B. b. स्विच बंद करने पर इससे धरा प्रवाहित नहीं होती है।

C. c. 80Ω तथा 5Ω के प्रतिरोधक में शक्ति क्षय (power dissipation) समान होगा ।

D. d. R तथा 20Ω के प्रतिरोधक में शक्ति-क्षय असमान होगा।

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

20. R प्रतिरोधों के एकसमान तार को n भुजवाले नियमित बहुभुज (regular polygon) के रूप में मोड़ा गया है, जहाँ n सम (even) है। बहुभुज के किन्हीं दो कोनों के बीच तुल्य प्रतिरोध है

- A. $\frac{R}{4}$, महत्तम होने की स्थिति में
- B. $\frac{R}{n}$, महत्तम होने की स्थिति में
- C. $R\left(\frac{n-1}{n^2}\right)$, न्यूनतम होने की स्थिति में
- D. $\frac{R}{n}$, न्यूनतम होने की स्थिति में

Answer: A::C

 वीडियो उत्तर देखें

21. दो बल्ब क्रमशः 200 V तथा 300 V पर जलाए जाने पर समान शक्ति का उपयोग करते हैं। यदि इन्हें श्रेणीक्रम में जोड़कर 500 V पर जलाया जाए, तब

A. दोनों बल्ब के लिए विभवांतर का अनुपात $\frac{3}{4}$ है।

B. दोनों बाल्ट के लिए विभवांतर का अनुपात $\frac{4}{9}$ है।

C. दोनों के द्वारा उपभोग की गई शक्ति का अनुपात $\frac{3}{4}$

है।

D. दोनों के द्वारा उपभोग की गई शक्ति का अनुपात $\frac{4}{9}$

है।

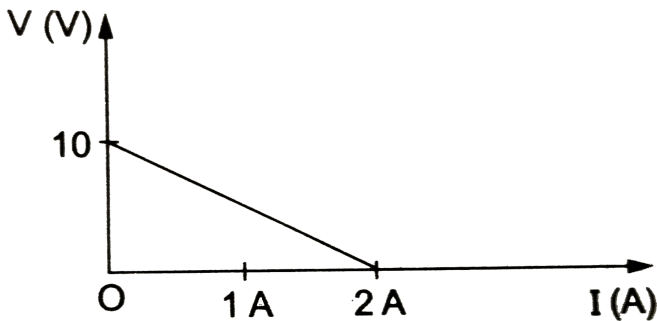
Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

22. विद्युत-वाहक बल \mathcal{E} तथा आंतरिक प्रतिरोध r के एक सेल को बाह्य प्रतिरोध R के सिरों के बीच जोड़ा गया है। R के मान को शून्य से लेकर किसी भी मान तक समाजित किया जा सकता है। प्रतिरोध R से प्रवाहित धरा (I) तथा उसके सिरों के बीच विभवांतर (V) के बीच खींचा गया ग्राफ

प्रदर्शित है।



A. सेल का आंतरिक प्रतिरोध $= 5\Omega$

B. सेल का विद्युत वाहक बल $= 10V$

C. सेल से प्राप्त की जानेवाली महत्तम धारा $= 2A$

D. सेल से प्राप्त की जानेवाली महत्तम धारा $= 5A$

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

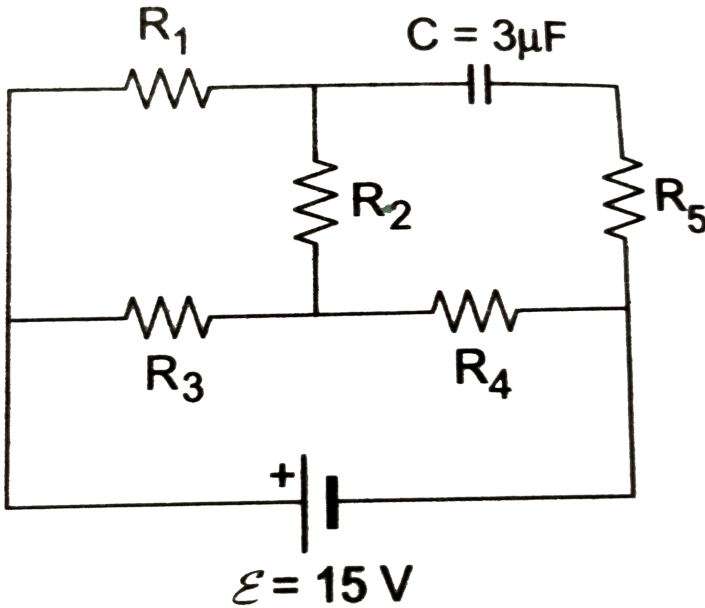
23.

प्रदर्शित

परिपथ

$R_1 = R_2 = R_3 = R_4 = R_5 = 3\Omega$ तथा सेल का

आंतरिक प्रतिरोध नगण्य है।



A. a. R_1 तथा R_2 से समान धारा प्रवाहित होती है

B. b. स्थायी स्थिति में R_5 से प्रवाहित धारा शून्य है

C. c. संधारित्र के सिरों पर 12 V का विभवांतर है

D. d. संधारित्र के सिरों पर 15 V का विभवांतर है

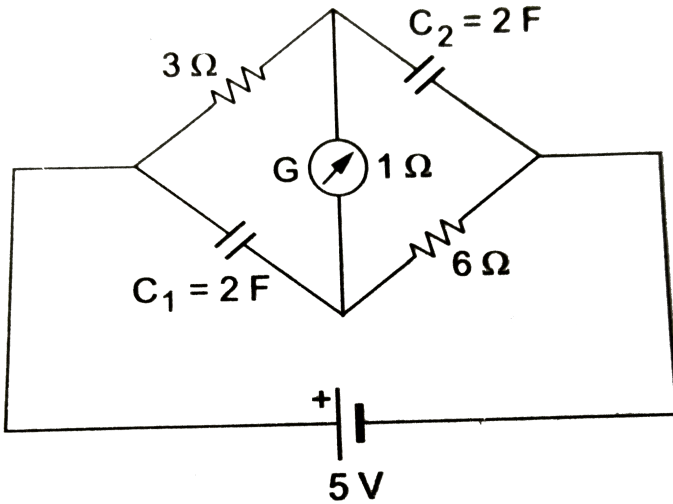
Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

24. प्रदर्शित परिपथ में 5 V विद्युत-वाहक बल के सेल का आंतरिक प्रतिरोध नगण्य है तथा गेल्वेनोमीटर का प्रतिरोध

1Ω है



- A. गैल्वेनोमीटर के सिरों पर विभवांतर = $0.5V$
- B. C_1 के सिरों के विभवांतर = $2V$
- C. C_2 के सिरों के विभवांतर = $3.5V$
- D. 6Ω के प्रतिरोधक पर विभवांतर = $3V$

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

25. एकसमान दो फ्यूज (fuse) 10A की धारा के लिए निर्धारित है। इनके श्रेणीक्रम में (in series) अथवा समांतरक्रम में (in parallel) में जोड़कर उपयोग किया जा सकता है।

A. समांतर संयोजन में यह 20 A की एक धारा के लिए

प्रयुक्त होगा

B. समांतर संयोजन में यह 5 A तक की धारा के लिए

प्रयुक्त होगा

C. श्रेणी संयोजन में यह 10 A तक की धारा के लिए

प्रयुक्त होगा

D. श्रेणी के यह 20 A तक की धारा के लिए प्रयुक्त होगा

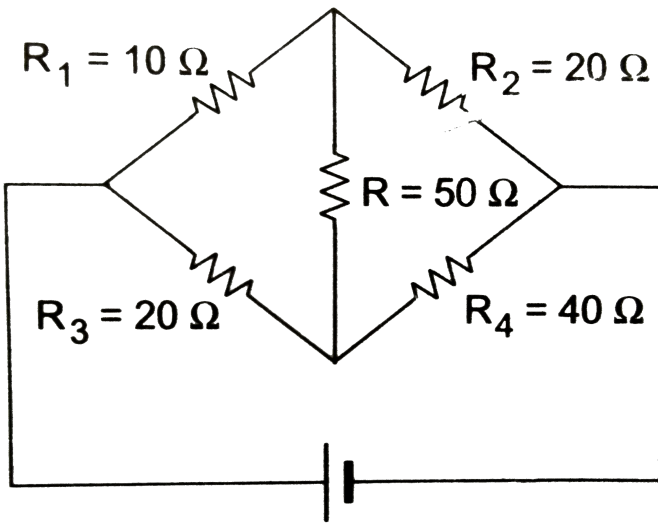
Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

26. प्रदर्शित परिपथ में पाँच प्रतिरोधी के एक निकाय से धारा

प्रवाहित की जाती है।

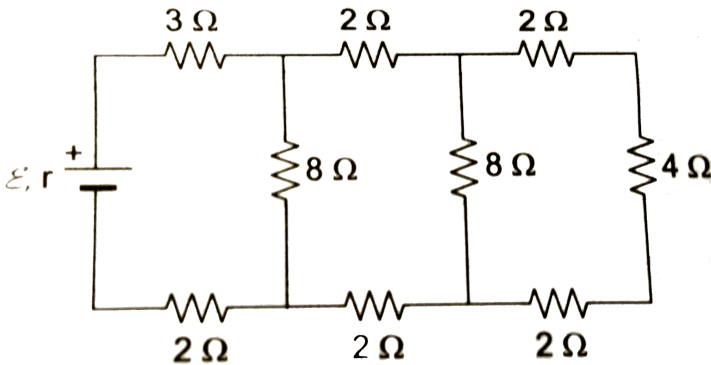


- A. R में ऊष्मा उत्पादन की दर महत्तम है।
- B. $R_2 = 20\Omega$ में ऊष्मा उत्पादन की दर महत्तम है।
- C. $R_3 = 20\Omega$ में ऊष्मा उत्पादन की दर न्यूनतम है।
- D. निकाय का तुल्य प्रतिरोध 30Ω है।

Answer: B::C

27. प्रदर्शित परिपथ में सेल का आंतरिक प्रतिरोध $r = 1\Omega$

तथा इसका विद्युत-वाहक बल $\mathcal{E} = 10V$ है।



A. 3Ω के प्रतिरोध से प्रवाहित धारा $= 1A$

B. 4Ω के प्रतिरोध से प्रवाहित धारा $= 0.25A$

C. परिपथ का तुल्य प्रतिरोध $= 10\Omega$

D. सेल का टर्मिनल वोल्टेज = $9V$

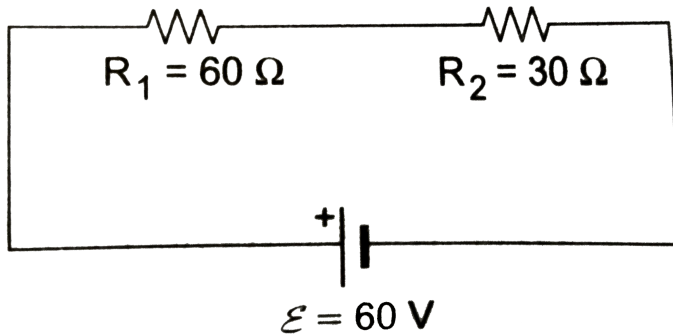
Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

28. श्रेणीक्रम में जुड़े R_1 तथा R_2 प्रतिरोधक को नगण्य आंतरिक प्रतिरोध की आदर्श बैटरी के सिरों से जोड़ा गया है 60Ω प्रतिरोध के किसी वाल्टमीटर को बारी-बारी से R_1 तथा R_2 के सिरों के बीच जोड़ने पर V_1 तथा V_2 पठन प्राप्त

होते हैं।



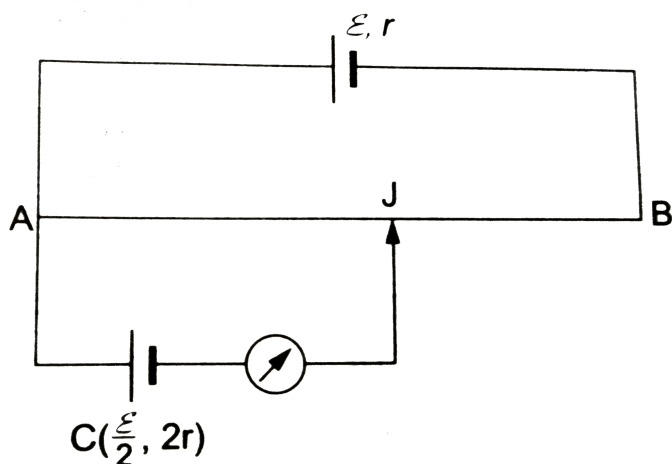
- A. $V_1 = 30\text{V}$
- B. $V_1 = 40\text{V}$
- C. $V_2 = 15\text{V}$
- D. $V_2 = 20\text{V}$

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

29. प्रदर्शित विभवमापी के एकसमान तार AB की लम्बाई 1 मीटर है, जिसके सिरों पर विद्युत-वाहक बल (emf) ε तथा आंतरिक प्रतिरोध r का एक संचायन सेल सम्बंधित है। अन्य सेल C (जिसका emf ज्ञात करना है) का $emf \frac{\varepsilon}{2}$ तथा आंतरिक प्रतिरोध $2r$ है। संतुलित-स्थिति प्राप्त होने पर तार AJ की लम्बाई l प्राप्त होती है।



A. $l = 50\text{cm}$

B. $l > 50\text{cm}$

C. संतुलित-स्थिति प्राप्त होने के लिए तार AB का

प्रतिरोध $> r$

D. दी गई व्यवस्था में संतुलन-स्थिति प्राप्त नहीं हो

सकती है

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

30. समान आंतरिक प्रतिरोध तथा विद्युत वाहक बल वाले n सेलों को बाह्य प्रतिरोध R के साथ श्रेणीक्रम में जोड़ने पर अधिकतम धारा कब प्राप्त होगी ?

A. a.सेल द्वारा प्रदान की गई शक्ति (power) $= \epsilon l$

B. b.प्रतिरोधक R में ऊष्मा उत्पत्ति की दर $= \epsilon l$

C. c.प्रतिरोधक R में उत्पत्ति की दर

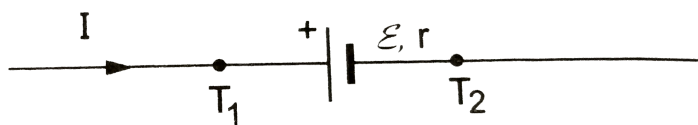
D. d.सेल में ऊष्मा उत्पत्ति की दर $\epsilon l \left(\frac{r}{R + r} \right)$

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

31. विद्युत-वाहक बल \mathcal{E} तथा आंतरिक प्रतिरोधी r के किसी सेल को चार्ज करने के क्रम में आवेशन-धारा (charging current) I प्रवाहित होती है।



A. सेल के टर्मिनल T_1, T_2 के विभवांतर $= \mathcal{E} + lr$

B. सेल द्वारा अवशोषित शक्ति $= \mathcal{E}l$

C. सेल द्वारा संचित रासायनिक ऊर्जा की दर

$$- (\mathcal{E}l = I^2 r)$$

D. सेल में कुछ ऊष्मा उत्पादित होगी

Answer: A::B::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

32. वृत्तीय धारावाही कुंडली एक चुम्बकीय द्विध्रुव के तुल्य है जिसका द्विध्रुव आघूर्ण \vec{m} एक सदिश राशि है।

A. \vec{m} का SI मात्रक A_n है।

B. \vec{m} का SI मात्रक Am^2 है।

C. \vec{m} की दिशा कुंडली के वियास के अनुरेखा होती है।

D. \vec{m} की धीश में धरा प्रवाह की दिशा पर निर्भर करते

हुआ कुंडली के तल के लंबवत होती है।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

33. निम्नलिखित कथन में से कौन-सा कथन सही है ?

A. सीधा धारावाही तार एक छड़ चुम्बक के तुल्य है।

B. चुम्बकीय एकल-ध्रुव (mono -pole) एक गणितीय

अभिकल्पना है जिसका यथार्थ अस्तित्व नहीं होता है।

C. चुम्बकीय क्षेत्र की उत्पत्ति केवल विद्युत आवेश के कारण होती है।

D. दक्षिणावर्त धारा (clockwise current) एक उत्तर-ध्रुव के तुल्य है जबकि वामावर्त धारा दक्षिण-ध्रुव के तुल्य है।

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

34. किसी वृत्ताकार धारावाहिक कुंडली (त्रिज्या =R फेरो की संख्या =N) से । धारा प्रवाहित होने पर इसके केंद्र पर उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र

$$A. B = \frac{\mu_0 NI}{2\pi R}$$

$$B. B = \frac{NI}{2c^2 \epsilon_0 R}$$

$$C. B = \frac{\mu_0 NI}{2\pi R}$$

$$D. B = \frac{NIc^2}{2 \epsilon_0 R}$$

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

35. एकसमान वेग से गतिशील प्रोटॉन किसी स्थान से वेग में बिना किसी परिवर्तन के बहार निकल आता है। यदि E तथा B के क्रमशः विद्युत-क्षेत्र एव व्यक्त हो, तब उस स्थान-विशेष में होगा ।

A. $E = 0, B = 0$

B. $E = 0, B \neq 0$

C. $E \neq 0, B = 0$

D. $E \neq 0, B \neq 0$

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

36. यदि $E \neq 0$ तथा $B \neq 0$ तथा प्रोटॉन उस स्थान विशेष से वेग v से अविशेषित निर्गत हो। तब

A. $v = \frac{B}{E}$

B. $v = \frac{E}{B}$

C. $\vec{E} = \vec{B} \times \vec{v}$

D. $\vec{E} = -\vec{B} \times \vec{v}$

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

37. निम्नलिखित अवस्थाओं में एक आवेशित कण 'बल' का अनुभव नहीं करेगा यदि

- A. वह विद्युत-क्षेत्र में विरामावस्था में हो
- B. वह विद्युत-क्षेत्र की दिशा के समांतर गतिशील हो
- C. वह चुम्बकीय क्षेत्र में विरामावस्था में हो
- D. वह चुम्बकीय क्षेत्र के समांतर गतिशील हो

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

38. अनंत लंबाई के दो सीधे धारावाहिक तार एक-दूसरे से d दूरी पर परस्पर समांतर रखे हैं तथा उनसे क्रमशः I_1 तथा I_2 धारा प्रवाहित होती है,। किसी एक तार की प्रति एकांक लंबाई पर कार्यकारी बल F है।

A. I_1 तथा I_2 की दर्शाएँ समान रहने पर F आकर्षण बल होगा।

B. I_1 तथा I_2 की दर्शाएँ विपरीत रहने पर F प्रतिकर्षण बल होगा।

C. दोनों तार के लिए F का परिणाम समान होगा।

D. दोनों तार के लिए F का परिणाम भिन्न होगा।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

39. अनंत लंबाई के दो सीधे धारावाहिक तार एक-दूसरे से d दूरी पर परस्पर समांतर रखे हैं तथा उनसे क्रमशः I_1 तथा I_2 धारा प्रवाहित होती है, किसी एक तार की प्रति एकांक लंबाई पर कार्यकारी बल F है।

A. $F \propto (I_1 I_2)$

B. $F \propto (I_1 I_2)^2$

C. $F \propto \frac{1}{d}$

$$D. F \propto \frac{1}{d^2}$$

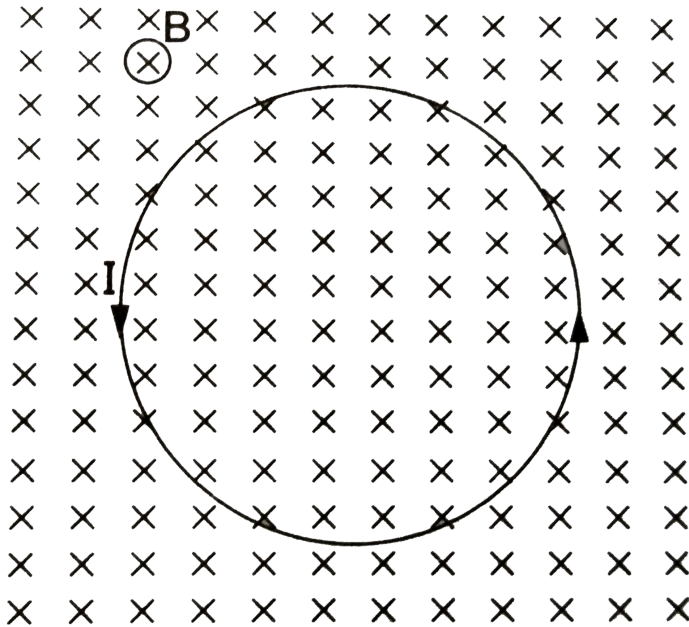
Answer: A:C



वीडियो उत्तर देखें

40. चित्र में प्रदर्शित वृत्ताकार धारावाही कुंडली में स्थायी धारा । प्रवाहित हो रही है तथा इसके तल के लंबवत स्थायी

चुम्बकीय क्षेत्र B वर्तमान है।



A. कुंडली पर नेट कार्यकारी बल शून्य है।

B. किंडली में त्रिज्याता प्रसार (expansion) की प्रवृत्ति

है।

C. कुंडली में त्रिजयता संकुचन (contraction) की

प्रवृत्ति है।

D. कुंडली में आवर्त रूप से संकुचन एव प्रसार होता

रहेगा।

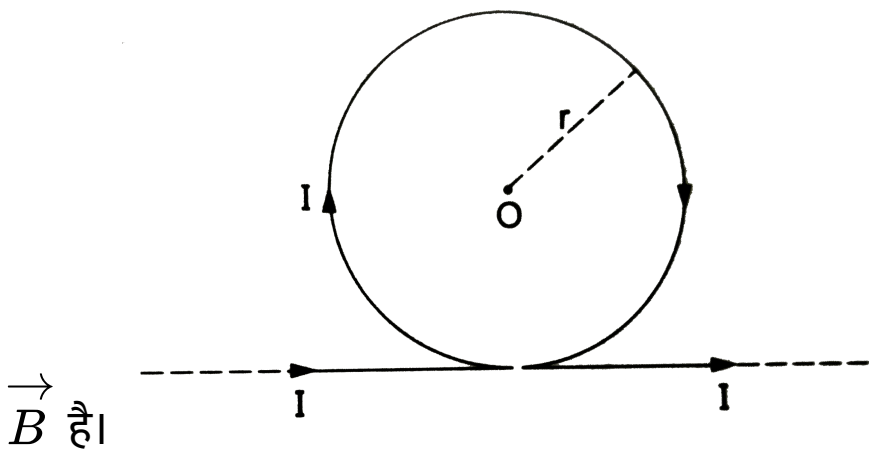
Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

41. किसी लम्बे सीधे धारावाही तार के r त्रिज्या के एक वृत्त

के रूप में अंशतः मोड़ा गया है वृत्त केंद्र O परिणामी चुम्बकीय



A. \vec{B} कि दिशा कागज के तल के लंबवत अंदर कि और दिष्ट है (directed inward)।

B. \vec{B} कि दिशा कागज के तल के लंबवत बहार की और है (directed outward)।

C. \vec{B} का परिमाण है $\frac{\mu_0 I}{2r} \left(1 - \frac{1}{\pi} \right)$.

D. \vec{B} का परिमाण है $\left(1 + \frac{1}{\pi} \right)$.

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

42. त्रिज्या r की एक वृत्ताकार कुंडली में फेरो की संख्या N है तथा इससे प्रवाहित स्थायी विद्युत-धारा I है। इस धारावाही कुंडली का चुम्बकीय आघूर्ण (magnetic moment) m है।

A. m का केवल परिमाण होता है, दिशा नहीं।

B. m की दिशा कुंडली के तल के लंबवत होती है।

C. m की दिशा कुंडली से प्रवाहित धारा की दिशा पर

निर्भर करती है।

$$D. m = \pi r^2 NI.$$

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

43. किसी सीधे वेलणकर सुचालक तार से स्थायी विद्युत-धारा प्रवाहित की जाती है। तार की त्रिज्या r है तथा इसके अनुप्रस्थ काट पर धारा का वितरण एकसमान (uniform) है। तार के अक्ष से x दूरी तय चुम्बकीय क्षेत्र के परिणाम B है।

A. तार के अक्ष पर $B = 0$

B. $B \propto x$, जब $0 \leq x \leq r$

C. $B \propto \frac{1}{x}$, जब $x > r$

D. B का मान महत्तम है जब $x = r$

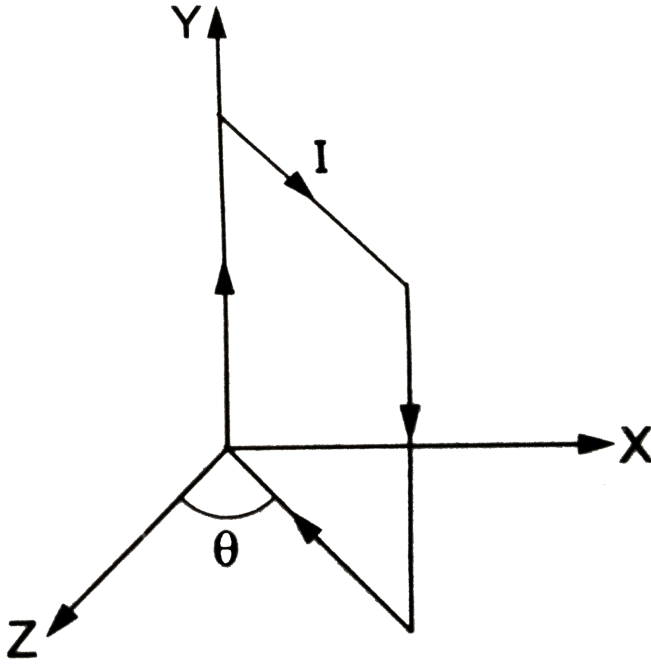
Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

44. साइज के एक आयताकार लूप से । धारा प्रवाहित की जाती है के अनुसार उसे एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र

$\vec{B} = B_0 hti$ में रखा गया है।



A. धारावाही लूप पर कार्यकारी टॉर्क का परिमाण

$IabB_0 \sin \theta$ है।

B. टॉर्क की दिशा y -अक्ष की त्रानात्मक दिशा में है।

C. लूप को स्वतंत्र रूप से छोड़ देने पर उसे कोण θ को

बढ़ाने की प्रवृत्ति होगी।

D. लूप को स्वतंत्र रूप से छोड़ देने पर उसे कोण θ को

कम करने की प्रवृत्ति होगी।

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

45. एक आवेशित कण एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र

$\vec{B} = (2\hat{i} - 3\hat{j})T$ में गतिशील है।



A. यदि कण के वेग की दिशा z -अक्ष के अनुदिश हो, तो

कण वृत्तीय पथ में गतिशील होगा।

B. यदि कण का वेग $\vec{v} = (6\hat{i} - 9\hat{j})ms^{-1}$ हो,

तो कण सरल रेखा में गतिशील होगा।

C. यदि कण वेग $\vec{v} = (3\hat{i} - 4\hat{j})ms^{-1}$ हो, तो

कण का गति पथ सर्पिल (helical) होगा।

D. उपयुक्त सभी वस्तुओं के कण की गतिज ऊर्जा

अपरिवर्तित रहती है।

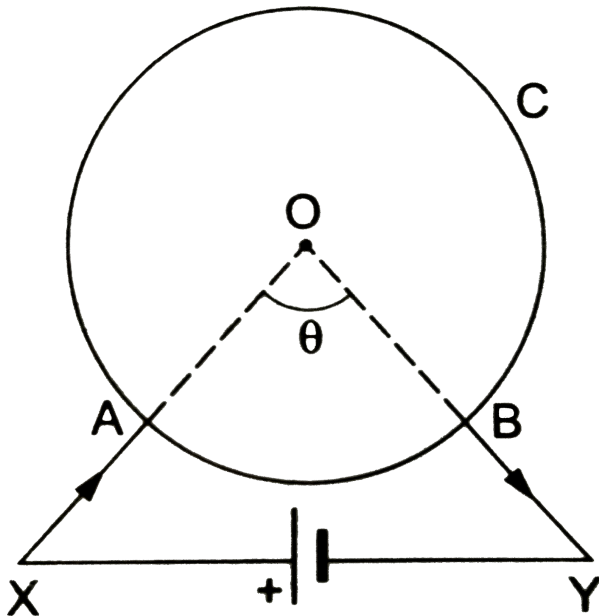
Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

46. एकसमान सुचालक तार से बानी वृत्ताकार कुंडली C में बिंदु A पर सीधे तार XA से धारा त्रिज्यातः (radially) प्रवेश करती है तथा B से त्रिज्याता बहार आती है सेल से सम्बद्ध क्षैतिज तार XY के कारण केंद्र O पर चुम्बकीय प्रभाव नगण्य

मान लेने पर



A. केंद्र O पर AX तथा BY कालको के कारण चुम्बकीय

क्षेत्र शून्य है।

B. सम्पूर्ण धारावाही वृत्तीय कुंडली ABCD के कारण

केंद्र O पर क्षेत्र शून्य है।

C. केंद्र O पर चुम्बकीय क्षेत्र का मान कोण θ पर निर्भर है।

D. केंद्र O पर चुम्बकीय क्षेत्र का मान θ के स्वतंत्र है।

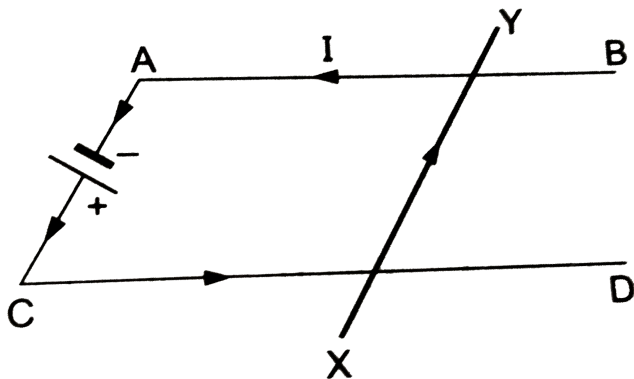
Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

47. क्षैतिज तल में रकनहे गए दो चिकने सुचालक छड़ AB तथा CD पर रक्ष सीधा चालक XY फिसलने के लिए (for sliding) स्वतंत्र है। A एव C के बिच लगे सेल से छड़ एव

चालक से बने बंद परिपथ में धारा प्रवाहित की जाती है।



A. XY पर धारा-प्रवाह के कारण कोई बसल कार्य नहीं

करेगा।

B. XY पर कार्यकारी बल दाहिनी ओर लगेगा।

C. XY पर कार्यकारी बल बाईं ओर लगेगा।

D. सुचालक चडो से धरा प्रवाह के कारण चालक XY

पर चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न होगा।

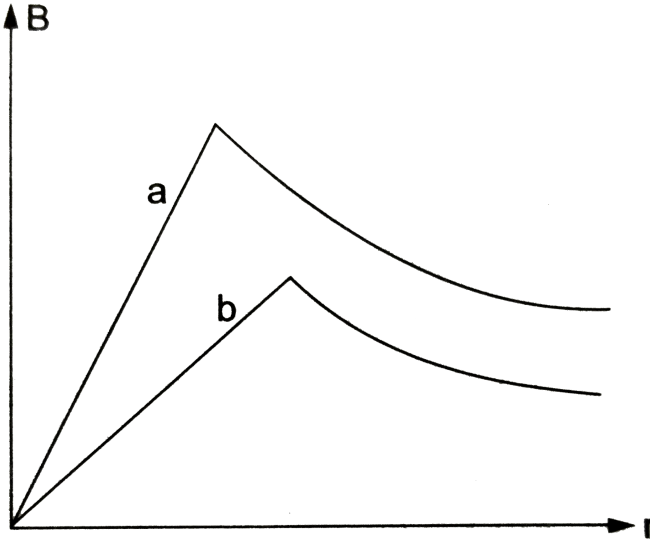
Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

48. विभिन्न त्रिज्या के दो बेलनाकार तार से समान धारा प्रवाहित करने पर उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र B का विचरण उनके अक्ष (axis) से दुरी r के साथ में क्रमशः a तथा b ग्राफ द्वारा प्रदर्शित है। यदि दोनों के अनुप्रस्थ काट पर धारा का वितरण

(distribution) एकसमान (uniform) हो तब



A. तार a की त्रिज्या $>$ तार b की त्रिज्या

B. तार b की त्रिज्या $>$ तार a की त्रिज्या

C. तार a में धारा घनत्व (current density) तार b

की अपेक्षा अधिक है।

D. तार b में धारा घनत्व तार a की अपेक्षा अधिक है।

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

49. किसी स्थायी चुम्बकीय क्षेत्र में गतिशील आवेशित कण के तत्कालीन वेग \vec{v} एवं त्वरण \vec{a} क्रमशः $\vec{v} = 3\hat{i} + 4\hat{j}$ तथा $\vec{a} = 2\hat{i} + m\hat{j}$ द्वारा व्यक्त है।

A. चुम्बकीय क्षेत्र की दिशा z -अक्ष के समांतर है।

B. कण की गतिज ऊर्जा अचर रहती है

C. $m = -1.5$

D. $m = 3$

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

50. प्रेरकत्व (inductance) का SI मात्रक हेनरी (henry)
है। इस मात्रक के अन्य तुल्य रूप है

A. वेबर प्रति ऐम्पियर (WbA^{-1})

B. वोल्ट सेकंड प्रति ऐम्पियर (VsA^{-1})

C. जूल प्रति वर्ग ऐम्पियर (JA^{-2})

D. ओम सेकंड (Ωs)

Answer: A::B::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

51. किसी बिंदु कुंडली से सम्बद्ध चुम्बकीय फ्लक्स $\phi(t)$ समय के फलान के रूप में $\phi(t) = (3 + 2t^2) \text{Wb}$ से व्यक्त होता है। यदि कुंडली का प्रतिरोध 10Ω हो, तब

A. समय $t = 2\text{s}$ कुंडली में प्रेरित धारा $= 0.8\text{A}$

B. समयांतराल $t = 0$ से $t = 2\text{s}$ के बीच कुंडली से प्रवाहित

आवेश $= 0.8\text{C}$

C. उपयुक्त समयांतराल में कुंडली से प्रवाहित नेट आवेश

शून्य है।

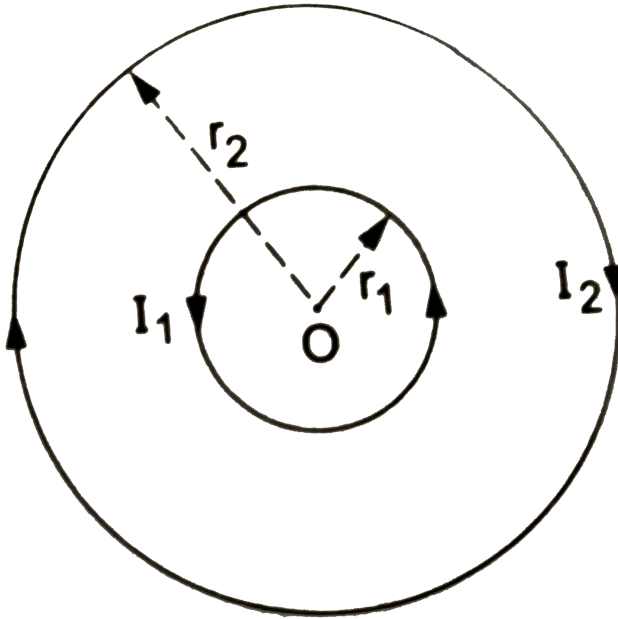
D. कुंडली में प्रवाहित धारा समय के समानुपाती है।

Answer: A::B::D

 वीडियो उत्तर देखें

52. दो संकेदीय वृत्ताकार कुंडलियाँ समाक्षीय रूप से व्यवस्थित है। इनकी त्रिज्याएँ r_1 तथा r_2 है तथा $r_1 < r_2$ है इनसे प्रवाहित स्थायी विद्युत-धाराएँ I_1 तथा

I_2 है तथा केंद्र O पर चुंबकीय क्षेत्र B है।



A. $B = \frac{\mu_0}{2\pi} \left(\frac{l_1}{r_1} - \frac{I_2}{r_2} \right)$

B. $B = \frac{\mu_0}{2} \left(\frac{l_1}{r_1} - \frac{I_2}{r_2} \right)$

C. निकाय का अन्योन्य प्रेरकत्व (mutual inductance)

$$D. M = \frac{\mu_0 \pi r_1^2}{2r_2}$$

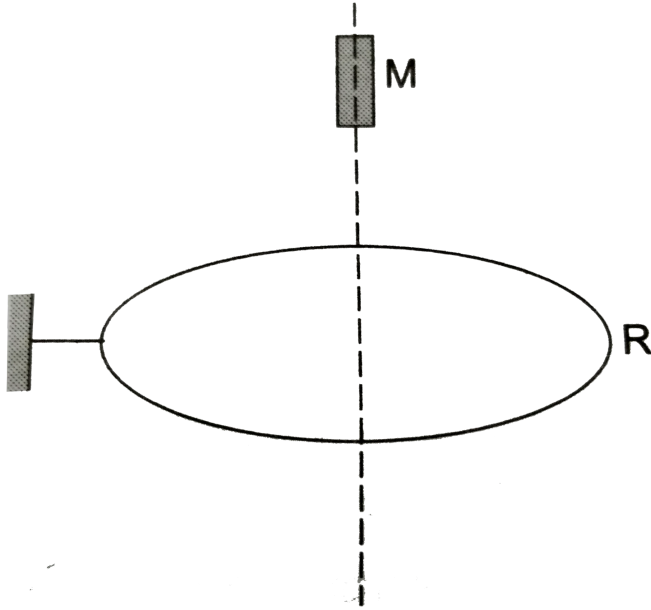
Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

53. क्षैतिज तल में रखे किसी सुचलान रिंग R से होकर एक छोटा चुंबक उर्ध्वार्धरतः गुरुत्व के अधीन गिरता है। यदि $g =$

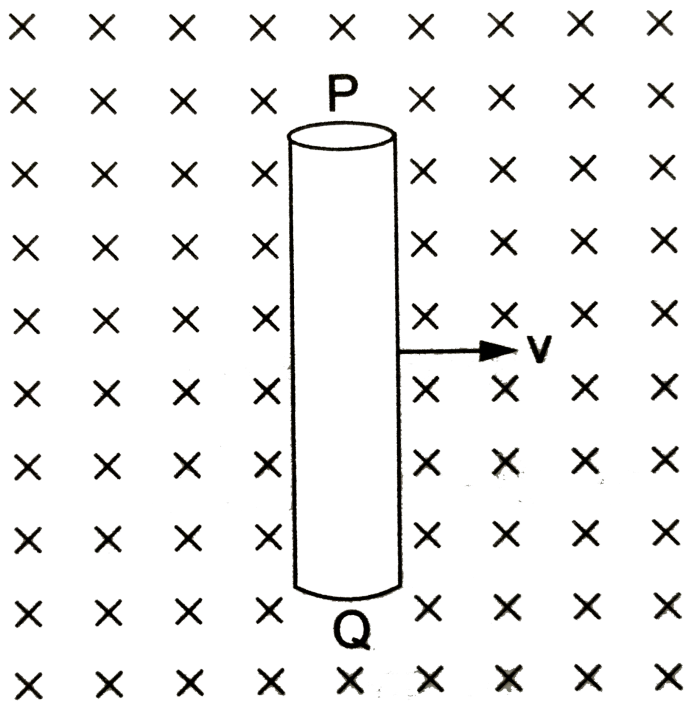
गुरुत्वीय त्वरण तथा $a =$ चुंबक का त्वरण, तब



 वीडियो उत्तर देखें

54. कागज के तल के लंबवत अंदर की और दिष्ट एकसमान चुंबकीय क्षेत्र में एक सुचालक छड़ वेग v से दाहिनी और

गतिशील है।



A. चालक के अंदर मुक्त इलेक्ट्रान Q सिरे की ओर

गतिशील होंगे

B. Q की अपेक्षा P का विभव धनात्मक होगा।

C. P और Q को बहार से एक सुइंचालक तार से जोड़ने

पर विद्युत-धारा का प्रवाह PQ के भीतर Q से P की

और होगा।

D. PQ के भीतर धारा का प्रवाह निम्न विभव से उच्च

विभव की ओर होगा।

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

55. किसी परिनालिका (solenoid) का स्वप्रेरकत्व बढ़ाया जा सकता है

A. परिनालिका से प्रवाहित धारा का मान बढ़ाकर

B. परिनालिका से प्रवाहित धारा का मान घटाकर

C. परिनालिका में नरम लोहे का छड़ प्रवेश करने पर

D. प्रति एकांक लंबाई में फेरो की संख्या बढ़ाकर

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

56. प्रदर्शित परिपथ में प्रतिरोध R_3 से प्रवाहित धारा



- A. स्विच S को बंद करने के शीघ्र बाद शून्य है।
- B. स्विच S को बंद करने के शीघ्र बाद $\frac{\varepsilon}{R_3}$ है।
- C. स्विच S को बंद करने के काफी समान्य बाद शून्य है।
- D. स्विच S को बंद करने के काफी समय बाद $\frac{\varepsilon}{R_3}$ है।

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

57. किसी धारावाही कुंडली से प्रवाहित धारा समय t के फलन के रूप में समीकरण $I(t) = 2t^2$ व्यक्त होती है, जहाँ समय t सेकंड में तथा धारा I एम्पियर में व्यक्त है। यदि $t = 1s$ पर कुंडली से सम्बद्ध चुंबकीय फ्लक्स 10 Wb हो, तब

A. कुंडली का स्व-प्रेरकत्व $L = 5H$

B. कुंडली का स्व-प्रेरकत्व $L = 10H$

C. कुंडली में $t = 1s$ पर प्रेरित विद्युत-वाहक बल
 $= 10V$

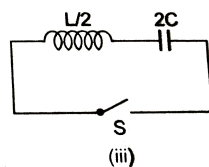
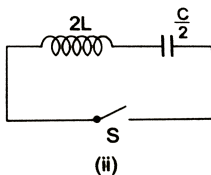
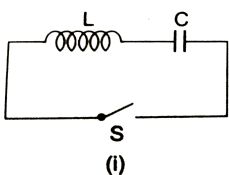
D. किंडली में $t = 1s$ पर प्रेरित विद्युत-वाहक बल

$$= 20V$$

Answer: A::D

 वीडियो उत्तर देखें

58. प्रदर्शित L -C के तीन सन्तजनों में संधारित्रों को समान विभवांतर V तक आवेशित किया गया है तथा स्विच S को दबाकर परिपथ में विद्युत दोलन उत्पन्न किया जाता है।



A. तीनों परिपाटी में विद्युत दोलन की आवृत्ति समान है

B. धारा का महत्तम मान परिपथ (i) में है

C. धारा का महत्तम मान परिपथ (ii) में है

D. धारा का महत्तम मान परिपथ (iii) में है

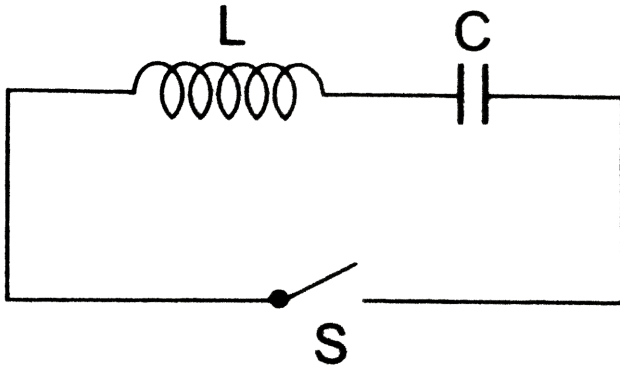
Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

59. प्रदर्शित संधारित्र C को V_0 विभव तक आवेशित कर प्रतित्र L तथा स्विच S के साथ जोड़ दिया गया है। स्विच को समय $t = 0$ पर बंद कर दिया गया है। विद्युत दोलन के क्रम

में



A. परिपथ में धारा का महत्तम मान $V_0 \sqrt{\frac{C}{L}}$

B. समय $t = \pi \sqrt{LC}$ पर प्रेरित्र में संचित पर
विभवांतर शून्य होता है

C. समय $t = \frac{\pi}{2} \sqrt{LC}$ पर प्रेरित्र में संचित चुंबकीय

$$\text{ऊर्जा} = \frac{1}{4} CV_0^2$$

D. प्रेरित्र में महत्तम संचित ऊर्जा $= \frac{1}{2} CV_0^2$

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

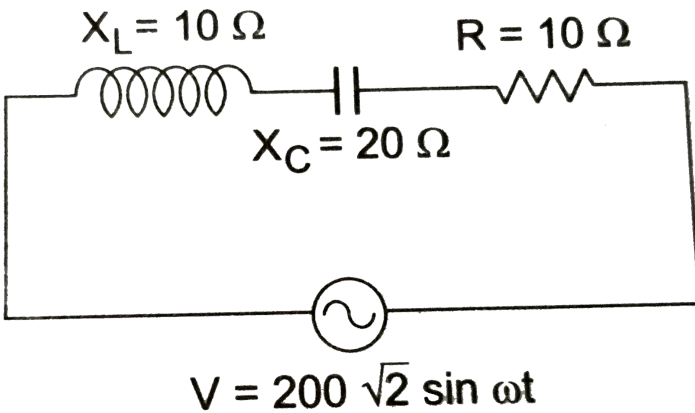
60. श्रेणीक्रम में संयोजित L -C -R प्रत्यावर्ती धारा परिपथ में अनुनाद (resonance) की स्थिति में

- A. शक्ति गुणांक शून्य होता है
- B. शक्ति गुणांक एकांक होता है।
- C. प्रतिरोधक में विमुक्त शक्ति शून्य होती है।
- D. संधारित्र में विमुक्त शक्ति शून्य होती है।

Answer: B::D

 वीडियो उत्तर देखें

61. प्रदर्शित प्रत्यावर्ती धारा का L -C -R परिपथ के लिए
प्रेणनिक प्रतिघात $X_L = 10\Omega$ संधारित्रिय प्रतिघात
 $X_C = 20\Omega$ तथा प्रतिरोध $R = 10\Omega$ है।



A. वोल्टेज के सापेक्ष धारा में कला-अग्रता (phase lead) होगी

B. धारा का मूल-माध्य वर्ग मान (rms value)
 $= 20A$

C. परिपथ का शक्ति गुणांक (power factor)
 $= \frac{1}{\sqrt{2}}$

D. प्रतिरोध पर विभवांतर $= 100V$

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

62. प्रत्यावर्ती धारा परिपथ में विभवांतर (V) = धारा (I)

प्रतिबाधा (Z) मान्य होता है यदि

A. V तथा I दोनों के मान rms में व्यक्त हो

B. V तथा I दोनों के मान तत्कालिक
(instantaneous) हो

C. V तथा I दोनों के सिखर मान (peak values) हो

D. उपयुक्त सभी विकल्प सही है

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

1. निम्नलिखित कथन में कौन-कौन सही है ?

A. 1. एकल विद्युत आवेश का अस्तित्व है, लेकिन एकल

चुंबकीय ध्रुव का अस्तित्व नहीं होता है ।

B. 2. एकल चुंबकीय ध्रुव का अस्तित्व होता है, लेकिन

एकल विद्युत आवेश का अस्तित्व नहीं होता है।

C. 3. ताँबा एक प्रतिचुंबकीय (diamagnetic) पदार्थ

है।

D. 4. पृथ्वी की चुम्बकीय विषुवत रेखा (magnetic equator) पर नमन-कोण (dip) शून्य होता है।

Answer: A::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

2. निम्नलिखित कथन में कौन-कौन सही है ?

A. भौगोलिक याम्योत्तर एव चुम्बकीय याम्योत्तर के बीच कोण को दिकपात (declination) कहा जाता है।

B. नमन-कोण के समान मान से गुजरनेवाली रेखा को

समक्षेत्रीय रेखा (isodynamic line) कहा जाता है।

C. आभासी नमन-कोण का मान यथार्थ नमन-कोण से

अधिक होता है।

D. μ_0 तथा ϵ_0 के गुणनफल की विमाएँ L^2T^{-2}

होती है।

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

3. चुम्बकीय आघूर्ण \vec{M} का एक दण्ड चुम्बक चुम्बकीय क्षेत्र \vec{B} में रखा जाता है। चुम्बक पर आरोपित बल आघूर्ण होगा-

A. चुम्बक को \vec{B} की दिशा से θ कोण तक विक्षेपित

करने में बाह्यकर्ता द्वारा सम्पादित कार्य

$$= mB(1 - \cos \theta)$$

B. विक्षेपित स्थिति में चुम्बक पर कार्यकारी टॉर्क का

$$\text{परिमाण} - mB \sin \theta$$

C. विक्षेपित स्थिति में चुम्बक की स्थितिज ऊर्जा

$$= mB \cos \theta$$

D. स्थायी संतुलन की स्थिति में चुम्बक का चुम्बकीय

आघूर्ण \vec{m} तथा चुम्बकीय \vec{B} परस्पर प्रतिसमान्तर

(antiparallel) होंगे।

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

4. $400Am^2$ चुम्बकीय आघूर्ण के एक पतले चुम्बक को आधी लंबाई के दो बराबर भागों में तोड़ दिया गया है। प्रत्येक छोटे भाग के लिए

- A. चुंबक की ध्रुवीय प्रबलता अपरिवर्तित रहती है ।
- B. चुंबक का चुंबकीय आघूर्ण प्रारंभिक मान का आधा होता है।
- C. चुंबक की ध्रुवीय प्रबलता आधी हो जाती है।
- D. चुंबक का चुंबकीय आघूर्ण अपरिवर्तित रहता है।

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

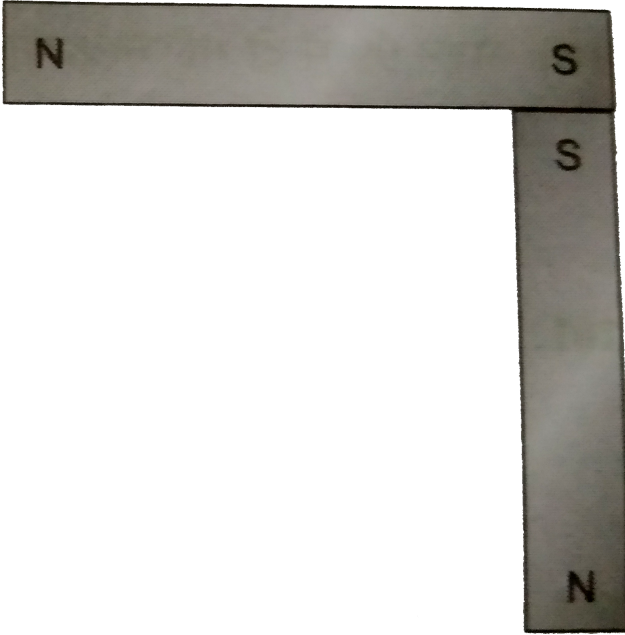
5. पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में एक चुंबक एक चुंबकीय अक्ष चुंबकीय याम्योत्तर में क्षैतिजतः स्थित है तथा इसका उत्तर दुरुव पृथ्वी के भौगोलिक उत्तर की ओर है।

- A. उदासीन बिन्दुओ की स्थिति चुंबक के अक्ष पर होगी।
- B. उदासीन बिन्दुओ की स्थिति चुंबक के लंबवत समद्विभाजित पर होगी।
- C. उदासीन बिन्दुओ की संख्या मात एक होगी।
- D. उदासीन बिन्दुओ की संख्या मात्र दो होगी।

Answer: B::D



6. समान चुंबकीय आघूर्ण \vec{m} के दो सर्वसम (identical)
चुंबको को प्रदर्शित रूप से रखा गया है।



A. निकाय के परिणामी चुंबकीय आघूर्ण का परिमाण

$\sqrt{2}m$ होगा।

B. निकाय के चुंबकीय आघूर्ण की दिशा प्रत्येक चुंबक

से 45° का कोण बनाएगी।

C. निकाय के चुंबकीय आघूर्ण की दिशा उनके मुक्त ध्रुवों

को मिलनेवाली रेखा के अनुदिश होगी।

D. निकाय के चारों ओर चुंबकीय क्षेत्र शून्य होगा, क्योंकि

वे एक-सुंदर के प्रभाव को निष्फल कर देते हैं।

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

7. किस असमान (nonuniform) चुंबकीय क्षेत्र में एक चुंबक सुई स्वतंत्र रूप से राखी गई है। यह सुई अनुभव करेगी

- A. रेखिक गति के लिए नेट बल का
- B. घूर्णन गति के लिए नेट टॉर्क का
- C. शून्य नेट बल तथा अशून्य टॉर्क का
- D. शून्य नेट बल तथा शून्य टॉर्क का

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

8. एकसमान चुंबकीय \vec{B} में स्वतंत्रता विराम में स्थिर चुंबक को जिसका चुंबकीय आघूर्ण \vec{m} है, 108° के कोण से विक्षेपित किया गया है।

A. बाह्यकृत द्वारा सम्पादित कार्य $= 2mB$

B. चुंबक की स्थितिज ऊर्जा में वृद्धि $= 2mB$

C. चुंबक की विक्षेपित स्थिति में कार्यकारी टॉर्क = शून्य

D. चुंबक को विस्थापित स्थिति में मुक्त कर देने पर

संतुलन की स्थिति में प्राप्त गतिज $= \frac{1}{2}mB$

Answer: A::B::C

9. पार्थिव चुंबकत्व का अस्तित्व निम्नलिखित कथनों में कनके द्वारा प्रदर्शित होता है ?

A. स्वतंत्रता निलंबित चुम्बक सुई में देशिक गुण

(directional property) का रहना

B. अधिक मात्रा में लोह-अयस्क (iron ore) का पृथ्वी

के भीतर होना

C. बाह्य-आकाश से आनेवाली कॉस्मिक किरणों की

तीव्रता का विषुवत रेखा की अपेक्षा ध्रुवों पर अधिक

होना

D. प्रतिवि के चारो और आयन मंडल (ionosphere)

का होना

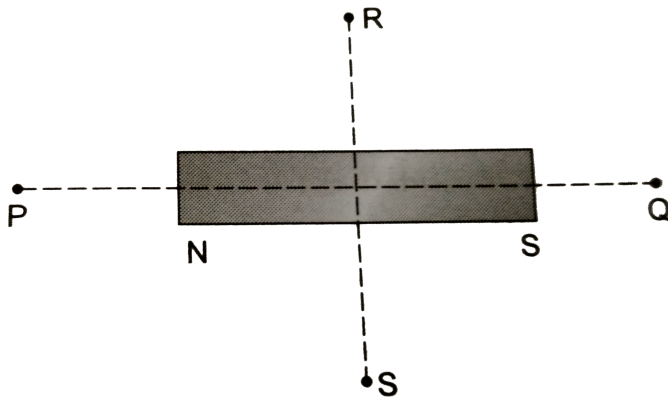
Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

10. चुंबक के केंद्र से समान दूरी पर अक्षीय एव निरक्षीय रेखाओ पर चार बिंदु P Q R तथा S लिए गए है। चुंबक के

कारण उत्पन्न क्षेत्र की दिशाएँ समान होंगी



A. P एवं Q पर

B. R एवं S पर

C. P एवं R पर

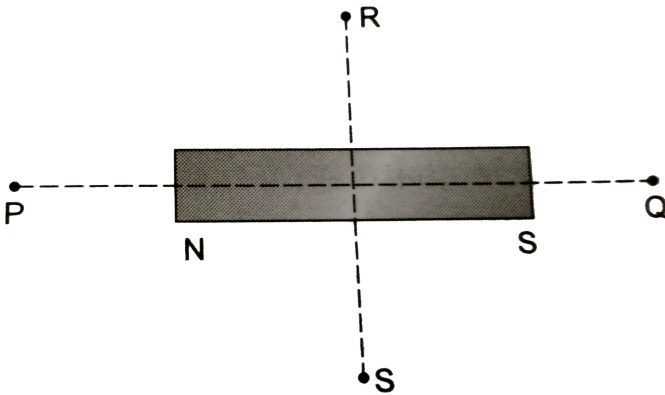
D. Q एवं S पर

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

11. चुंबक के केंद्र से समान दूरी पर अक्षीय एवं निरक्षीय रेखाओं पर चार बिंदु P Q R तथा S लिए गए हैं। चुंबक के कारण उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र की दिशाएँ विपरीत होंगी



A. P एवं Q पर

B. R एवं S पर

C. P एवं R पर

D. Q एव S पर

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

12. निम्नलिखित किन चुंबकीय पदार्थों के चुंबकीय गुण ताप-वृद्धि द्वारा प्रभावित होते हैं?

A. प्रतिचुम्बकीय

B. अनुचुम्बकीय

C. लोहचुम्बकीय

D. इनमें से कोई नहीं

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

13. किसी अनुचुम्बकीय पदार्थ को एक ऐसे चुंबकीय क्षेत्र में रखा गया है जिसकी प्रबलता को इच्छानुसार घटाने या बढ़ाना की व्यवस्था है। निम्नलिखित कथनों में कौन सही है ?

A. क्षेत्र की प्रबलता बढ़ाने पर पदार्थ का चुंबकन

(magnetization) बढ़ेगा।

B. क्षेत्र की प्रबलता बढ़ाने पर पदार्थ का चुंबकन घटेगा।

C. ताप वृद्धि के कारण पदार्थ का चुंबकन बढ़ेगा।

D. ताप-वृद्धि के कारण पदार्थ का चुंबकन घटेगा।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

14. शैथिल्य चक्र (hysteresis cycle) के गुर्नने के क्रम में किस लोहचुम्बकीय पदार्थ (ferromagnetic material) की चुंबकीय प्रवृत्ति (magnetic susceptibility) का मान

A. अचर रहता है।

B. शून्य हो सकता है।

C. अनंत हो सकता है।

D. त्राणात्मक हो सकता है।

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

विद्युत चुम्बकीय तरंगे

1. निम्नलिखित कथन में कौन-कौन सही है ?

A. विद्युत-चुंबकीय तरंगे प्रकाश के वेग से गमन करती है।

B. सभी द्रव्यात्मक माध्यम में विद्युत-चुम्बकीय तरंगो की चल समान होती है।

C. विद्युत-चुंबकीय तरंगो की उत्पत्ति एलेक्ट्रॉनों की त्वरित गति के कारण होती है।

D. विद्युत-चुंबकीय तरंगे अनुप्रस्थ (transverse) प्रकृति की होती है।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

2. किसी समतल विद्युत-चुंबकीय तरंग में जयावक्रीय रूप से (sinusoidal) विद्युत-क्षेत्र के दोलन की आवृत्ति $3 \times 10^{10} Hz$ का आयाम (amplitude) $2.4Vm^{-1}$ है।

A. विद्युत-चुंबकीय तरंग का तरंगदैर्घ्य 1 cm है।

B. दोलनि चुंबकीय क्षेत्र (oscillating magnetic field) का आयाम 8 nT है।

C. दोलनी चुंबकीय क्षेत्र की आवृत्ति $9 \times 10^{10} Hz$ है

D. दोलनी चुंबकीय क्षेत्र की आवृत्ति $3 \times 10^{10} Hz$ है।

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

3. X -अक्ष के अनुरेख संचरित विधुत-चुंबकीय तरंग की आवृत्ति 30 MHz है तथा इसके विधुत पटक का महत्तम मान किसी बिंदु पर Y -अक्ष के अनुरेखा $450Vm^{-1}$ है।

A. तरंग का अपवर्तकाल 33 ns है।

B. तरंग की कोणीय आवृत्ति $30\pi rads^{-1}$ है।

C. दोलनी चुंबकीय क्षेत्र का आयाम $150 \times 10^{-8}T$

तथा दिशा Y -अक्ष के अनुरेख है।

D. दोलनी चुंबकीय क्षेत्र का आयाम $150 \times 10^{-8}T$

तथा दिशा Z -अक्ष के अनुरेखा है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

4. मुक्त आकाश में रेडियो तरंग की चाल वही होती है, जो

A. शुष्मतरंगों की होती है

B. पराबैंगनी तरंगों की होती है

C. प्रकाश-किरणों की होती है

D. पराश्रव्य तरंगों की होती है

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

5. विद्युत-चुंबकीय तरंगों के संचरण के काम में परिवहन (transport) होता है

A. आवेश का

B. b.ऊर्जा का

C. c.संकेत का

D. d.संवेग का

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

6. 200 pF धारिता के संधारित्र को 200 V के प्रत्यावर्ती धारा स्रोत (a c source) से जोड़ा गया है जिसकी कोणीय आवृत्ति (angular frequency) $300s^{-1}$ है

- A. परिपथ में विस्थापन धारा का rms मान $1.2\mu A$ है।
- B. परिपथ में चालन धारा का rms मान $6.6\mu A$ है।
- C. चालन धारा तथा विस्थापन धारा के मान असमान होते है।
- D. विस्थापन धरा का अस्तित्व परिवर्ती विद्युत-प्रवाह (electric flux) के कारण होता है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

7. मुक्त आकाश में प्रकाश-वेग c चुंबकशीलता μ_0 तथा पिरवधूतता ϵ_0 के बिच सम्बन्ध होता है

A. $\mu_0 \epsilon_0 c = 1$

B. $\mu_0 = \frac{1}{\epsilon_0 c^2}$

C. $\epsilon_0 = \frac{1}{\mu_0^2 c}$

D. $c = \frac{1}{\sqrt{\mu_0 \epsilon_0}}$

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

8. दो समतल दर्पण A और B एक-दूसरे के समांतर 20 cm दूरी पर रखे गए हैं। दर्पण A से 15 cm की दूरी पर एक वस्तु रखी गई है। दर्पण A से निम्नांकित दूरियों में किसपर प्रतिबिम्ब बनेगा ?

A. 25 cm

B. 15 cm

C. 45 cm

D. 55 cm

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

9. 72° पर रखे दो समतल दर्पणों के बीच राखी बस्तु के कितने प्रतिबिम्ब दिखाई दे सकते हैं?

A. दो

B. तीन

C. चार

D. पाँच

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

10. जब दो समतल दर्पणों के बीच राखी वस्तु के पाँच प्रतिबिम्ब दिखाई दे, तो दोनों दर्पणों के बीच का कौन हो सकता है

A. 60°

B. 70°

C. 72°

D. 90°

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

11. प्रकाश का किरणपुंज समतल दर्पण से परिवर्तन के पश्चात वास्तविक प्रतिबिम्ब बनाता है। दर्पण पर पड़नेवाली आपतित किरणे नहीं हो सकती है।

A. समांतर

B. अपसारी

C. अभिसारी

D. इनमे कोई नहीं

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

12. एक अवतल गोलीय दर्पण से प्रतिबिम्ब बन सकता है

A. आभासी

B. वास्तविक

C. अकार में बड़ा

D. उल्टा

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

13. गोलीय दर्पणों (spherical mirrors) के लिए निम्नलिखित में कौन इसपर निर्भर नहीं करता कि किरणें उपाशीय (paraxial) है या नहीं?

A. फोकस (focus)

B. ध्रुव (pole)

C. मुख्य अक्ष (principle axis)

D. वक्रता-त्रिज्या (radius of curvature)

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

14. किसी f फोकस-दूरी वाले अवतल दर्पण से बना प्रतिबिम्ब दुगना दीखता है, तो दर्पण से वस्तु कि दूरी होगी

A. $\frac{f}{2}$

B. $\frac{3f}{2}$

C. $\frac{f}{4}$

D. $\frac{4f}{3}$

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

15. जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में संचरीय होता है, तो नीमंकित में कौन-सी राशि परिवर्तित होती है?

A. तरंगदैध्य (wavelength)

B. आवृत्ति (frequency)

C. चाल (speed)

D. आयाम (amplitude)

Answer: C



वीडियो उत्तर देखें

16. निर्वात (vacuum) में प्रकाश कि चाल निर्भर नहीं करती

है

A. तरंगदैधर्य पर

B. आवृत्ति पर

C. तीव्रता (intensity) पर

D. प्रेक्षक (observer) कि चाल पर

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

17. तब जल में स्थित एक मछली और आकाश में एक पक्षी एक-दूसरे को देखते हैं, तो

A. मछली को पक्षी जहाँ वह है उससे अधिक ऊंचाई पर दीखता है।

B. मछली को पक्षी जहाँ वह है उससे कम ऊंचाई पर दिखता है।

C. पक्षी को मछली जहाँ वहाँ है उससे अधिक गहराई पर दीखता है।

D. पक्षी को मछली जहाँ वह है उससे कम गहराई पर दीखता है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

18. वायुमंडल में प्रकाश के अपवर्तनांक का कारण

A. टारे टिमटिमाते प्रतीत होते है

B. सूर्य सूर्योदय एव सूर्यास्त के समय अंडकार (oval)

प्रतीत होता है।

C. सूर्य के दिखने का समय अधिक प्रतीत होता है।

D. मृगतृषणा (mirage) एव लूमिंग (looming) कि घटनाएँ होती है।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

19. प्रकाश का पूर्ण आंतरिक परावर्तन नहीं होता है जब प्रकाश

A. वायु से काँच में प्रवेश करता है ।

B. निर्वात से जल में प्रवेश करता है।

C. वायु से जल में प्रवेश करता है।

D. जल से वायु में प्रवेश करता है।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

20. प्रिज्म में निम्नलिखित में कौन-सी घटनाएँ हो सकती है?

A. प्रून आंतरिक परावर्तन

B. अपवर्तन

C. विचलन (deviation)

D. वर्ण-विक्षेपण (dispersion)

Answer: A::B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

21. जब श्वेत प्रकाश (white light) किसी समबाहु (equilateral) प्रिज्म पर आपतित होती है, तो न्यूनतम विचलन (minimum deviation) कि स्थिति में

A. आपतन-कोण (angle of incidence) निर्गत-कोण (angle of emergence) के बराबर होता है।

B. प्रिज्म के अंदर अपवर्तित किरण परिजम के आधार (base) के समांतर होती है।

C. प्रिज्म के अंदर परवर्तन-कोण (angle of incidence) प्रिज्म के अपवर्तक कोण (refracting angle of prism) के बराबर होता है।

D. सभी रंगों का वर्ण-विक्षेपण (dispersion) समान होता है।

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

22. द्वी-उत्तल लेंस से वास्तविक प्रतिबिम्ब बनाने के लिए वस्तु को रखना चाहिए

A. लेंस और फोकस के बीच

B. फोकस पर

C. f तथा $2f$ के बीच

D. $2f$ और अनंत के बीच

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

23. 15 cm फोकस दूरी वाले उत्तल लेंस (जिसके पदार्थ का अपवर्तनांक 1.5 है) से वस्तु का बड़ा प्रतिबिम्ब प्राप्त करने के लिए उसे (वस्तु को) रखना होगा

- A. शून्य और 15 cm कम के बीच
- B. 15 cm और 30 cm के बीच
- C. 30 cm पर
- D. 30 cm और अनंत के बीच

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

24. निम्नलिखित कथनों में कौन सही है?

A. समतल दर्पण द्वारा वास्तविक वस्तु (real object)

का वास्तविक प्रतिबिम्ब नहीं बन सकता है।

B. उत्तल दर्पण द्वारा वास्तविक वस्तु का वास्तविक

प्रतिबिम्ब नहीं बन सकता है।

C. अवतल लेंस द्वारा वास्तविक वस्तु का वास्तविक

प्रतिबिम्ब नहीं बन सकता है।

D. इनमें कोई नहीं

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

25. निम्नलिखित में कौन वास्तविक वस्तु की सभी स्थितियों के लिए आभासी (virtual) एवं सीधा (erect) प्रतिबिम्ब बनाता है ?

- A. समतल दर्पण
- B. उत्तल दर्पण
- C. अवतल दर्पण
- D. अवतल लेंस

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

26. लेंस के साथ किए गए प्रयोग में वस्तु दूरी u और प्रतिबिम्ब दूरी v के विभिन्न मनो के निम्नलिखित में कौन-से ग्राफ सरलरेखीय (linear) होंगे ?

A. $\frac{1}{v}$ और $\frac{1}{u}$

B. uv और $(u + v)$

C. $\frac{u}{v}$ और u

D. v और u

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

27. एक शीशे के उत्तल लेंस (अपवर्तनांक $= \frac{3}{2}$) कि फोकस-दूरी हवा में f है। इससे बना प्रतिबिम्ब उल्ट अथात आवर्धित है। बिना कुछ बदले इस पूरी व्यवस्था को पानी (अपवर्तनांक $= \frac{4}{3}$) में डुबा दिया जाता है।

A. नई फोकस-दूरी $4f$ होगी ।

B. नई फोकस-दूरी $\frac{f}{4}$ होगी ।

C. नया प्रतिबिम्ब काल्पनिक एव आवर्धित होगा।

D. नया प्रतिबिम्ब वास्तविक, उल्टा, लेकिन छोटा होगा।

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

28. एक बिंदु वस्तु एक काँच जिसका अपवर्तनांक $\left(\mu_s = \frac{3}{2}\right)$ है, से बने 20 सेमी फोकस दूरी वाले उत्तल लेन्स से 30 सेमी की दूरी पर रखी है। वस्तु का अन्तिम प्रतिबिम्ब अनन्त पर बनेगा यदि

A. 60 cm फोकस-दूरी वाले अवतल लेंस को पहले लेंस से सतलर रखना होगा।

B. दूसरे 60 cm फोकस-दूरी वाले अवतल लेंस को

पहले लेंस से 30 cm की दूरी पर रखना होगा।

C. पूरी संरचना को एक द्रव में डुबा दिया जाए जहाँ द्रव

का अपवर्तनांक $\frac{4}{3}$ हो।

D. पूरी संरचना को एक द्रव में डुबा दिया जाए जहाँ द्रव

का अपवर्तनांक $\frac{9}{8}$ हो।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

29. मनुष्य के आँख के रेटिना पर बना प्रतिबिम्ब होता है

A. काल्पनिक

B. उल्टा

C. सीधा

D. वास्तविक

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

30. एक दूरदर्शी की विभेदन-क्षमता तथा आवर्धन-क्षमता दोनों को बढ़ने के लिए

A. अभिविश्यक की फोकस-दूरी तथा द्वारक दोनों घटाने

पड़ेगे

B. अभिविश्यक की फोकस-दूरी बढ़ानी पड़ेगी।

C. पभिविश्यक का द्वारक बढ़ाना पड़ेगा।

D. प्रकाश का तरंगदैधर्य घटाना पड़ेगा।

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

31. किसी संयुक्त सूक्ष्मदर्शी के अभिदृश्यक द्वारा प्रतिबिम्ब होता है

A. आभासी

B. वास्तविक

C. बड़ा

D. सीधा

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

32. निम्नलिखित में से किसके द्वारा अन्तिम प्रतिबिम्ब सीधा बनता है ?

- A. सरल शुष्मदर्शित (simple microscope)
- B. संयुक्त शुष्मदर्शी (compound microscope)
- C. संयुक्त शुष्मदर्शी (astronomical telescope)
- D. गेलीलीय दूरदर्शक (Galilean telescope)

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

33. दूरदर्शक में बड़े द्वारक (aperture) के अभिदृश्यक (objective) का उपयोग कर

A. दूरदर्शन की विभेदन-क्षमता (resolving power)

बढ़ाई जाती है ।

B. गोलीय विपथन (spherical aberration) को

कम किया जाता है।

C. दृष्टि-क्षेत्र (field of view) को बढ़ाया जाता है।

D. अधिक प्रकाश को एकत्रित कर प्रतिबिम्ब की तीव्रता

(intensity) बढ़ाई जाती है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

34. अवरक्त किरणों के अध्ययन के लिए निम्नांकित प्रिज्म प्रयुक्त नहीं करते है

A. a.क्राउन काँच

B. b.फ्लिंट काँच

C. c.रॉक साल्ट

D. d.क्वाट्ज

Answer: A::B::D



00 0 0 0

35. निम्नांकित में कौन-सा कथन सत्य नहीं है ?

A. a.बैंड स्पेक्ट्रम किसी गैस को पहचानने हेतु प्रयुक्त

किया जाता है।

B. b.रेखील स्पेक्ट्रम किसी गैस को पहचानने हेतु प्रयुक्त

किया जाता है।

C. c.जब कार्बन ऑर्क से प्रकाश को पारा वाष्प में से

गुजरा जाता है, तो हमें बैंड अवशोषण स्पेक्ट्रम प्राप्त

होता है

D. d.टगस्टन बल्ब से सतत स्पेक्ट्रम प्राप्त होता है

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

36. प्रकाश के निम्नलिखित गुणों (properties) में किनसे प्रकाश के तरंग सिद्धांत को निर्णायक रूप से स्थापित करने में बल मिला ?

A. प्रकाश परावर्तन के नियम का पालन करता है।

B. प्रकाश सीधी रेखा में गमन करता है।

C. प्रकाश व्यतिकरण (interference) प्रदर्शित करता है

D. प्रकाश की चाल वायु की अपेक्षा जल में कम होती है।

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

37. प्रकाश के एक बिंदु-स्रोत (point source) के लिए तरंगाग्र (wavefront) हो सकता है

A. गोलीय (spherical)

B. बेलनाकार (cylindrical)

C. समतल (plane)

D. दीर्घवृत्तीय (elliptical)

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

38. फ्रेनेल विवर्तन (diffraction) के लिए

A. a. विवर्तक या विवर्ती युक्ति (diffracting device)

से स्रोत एव पर्दे अनंत दूरी पर होता है ।

B. b.विवर्तक से स्रोत तो परिमित दूरी पर होता है,

परन्तु स्रोत अनंत दूरी पर होता है।

C. c.विवर्तक से पर्दे तो परिमित दूरी पर होता है, परन्तु

स्रोत अनंत दूरी पर होता है।

D. d.विवर्तक से स्रोत एव पर्दे दोनों प्रभावित:

(effectively) अनंत दूरी पर होते हैं।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

39. फ्राउनहोफर विवर्तन पाया जा सकता है

A. एक चौड़े रेखा-छिद्र (wide slit) द्वारा

B. एक संकीर्ण रेखा-छिद्र (narrow slit) द्वारा

C. दो संकीर्ण रेखा-छिद्रों द्वारा

D. कई संकीर्ण रेखा-छिद्रों के समूह द्वारा

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

40. प्रकाश का ध्रुवण (polarization of light) हो सकता है

A. परावर्तन द्वारा

B. अपवर्तन द्वारा

C. प्रकीर्णन (scattering) द्वारा

D. विवर्तन (diffraction) द्वारा

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

41. निम्नलिखित में किनका ध्रुवण हो सकता है?

- A. ध्वनि कि तरंगो का
- B. प्रकाश कि तरंगो का
- C. ऊष्मा की तरंगो का
- D. X -किरणों का

Answer: B::C::D



वीडियो उत्तर देखें

आधुनिक भौतिकी

1. केथोड किरणों के लिए निम्नांकित में क्या सत्य है?

A. ये सरल रेखाओ में गति करते है।

B. इनमे गतिज ऊर्जा होती है।

C. ये कुछ पदार्थों में प्रतिदीप्त उत्पन्न करती है।

D. ये विद्युत-चुंबकीय तरंगे है।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

2. निम्नलिखित कणों की गति से वित्स्पर्जन नली में विद्युत-चालन होता है-

A. धनावेशित आयन

B. न्यूट्रॉन

C. इलेक्ट्रॉन

D. फोटॉन

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

3. निम्नांकित में कौन - सी किरणें विद्युत क्षेत्र द्वारा विक्षेपित नहीं होती हैं ?

A. X -किरणे

B. γ - किरणे

C. कैथोड किरणे

D. α - किरणे

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

4. एक समरूप गति से चलायमान प्रोटॉन एक विसिष्ट क्षेत्र से गुजरता है, जहाँ उसके वेग में कोई परिवर्तन नहीं होता है। E तथा B विद्युत एक चुम्बकीय क्षेत्रों की तीव्रता हो, तो उस विसिष्ट क्षेत्र में हो सकता है

A. $E = 0, B = 0$

B. $E = 0, B \neq 0$

C. $E \neq 0, B = 0$

D. $E \neq 0, B \neq 0$

Answer: A::B::D



5. प्रकाश-विद्युत प्रभाव में उत्सर्जित इलेक्ट्रॉन की अधिकतम गतिज ऊर्जा निर्भर करती है

A. तरंगदैर्घ्य पर

B. आवृत्ति पर

C. तीव्रता पर

D. कार्य-फलन पर

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

6. प्रकाश की क्वाण्टम प्रकृति किस प्रक्रिया द्वारा दर्शाई जाती है?

- A. हाइजेन्ज के तरंग सिद्धांत से
- B. प्रकाश-विद्युत प्रभाव से
- C. मैक्सवेल के विद्युत-चुंबकीय सिद्धांत से
- D. कॉम्प्टन प्रभाव से

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

7. प्रकाश-विद्युत प्रभाव की व्यवस्था यह मानते हुए नहीं की जा सकती है कि

A. प्रकाश एक प्रकार कि अनुप्रस्थ तरंग है।

B. प्रकाश एक प्रकार की अनुदैर्घ्य तरंग है।

C. प्रकाश का ध्रुवित किया जा सकता है।

D. प्रकाश क्वांटा से निर्मित होता है।

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

8. जब प्रकाश की तीव्रता को बढ़ाया जाता है, तो

- A. स्रोत से निकलनेवाले फोटॉन की संख्या प्रति इकाई समय बढ़ती है।
- B. फोटॉन की कुल ऊर्जा प्रति इकाई समय बढ़ती है।
- C. अधिक वजा वाले फोटॉन उत्सर्जित होने लगते हैं।
- D. अधिक गतिमान फोटॉन उत्सर्जित होने लगते हैं।

Answer: A::B



वीडियो उत्तर देखें

9. हाइड्रोजन परमाणु में एक इलेक्ट्रॉन को निम्न ऊर्जा वाले स्तर से उच्च ऊर्जा वाले स्तर पर उत्तेजित किया जाता है, तो किन भौतिक राशियों का मान घटता है ?

A. स्थितिज ऊर्जा

B. कोणीय वेग

C. गतिज ऊर्जा

D. कोणीय संवेग

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

10. हाइड्रोजन परमाणु के लिए प्रयुक्त बोर के सिद्धांत के अनुसार, किसी n वी कक्ष (orbit) में अवस्थित इलेक्ट्रॉन

A. का संवेग $\left(\frac{1}{n}\right)$ के समानुपाती होता है।

B. की कक्षा की त्रिज्या (n) के समानुपाती होती है।

C. की गतिज ऊर्जा के $\left(\frac{1}{n^2}\right)$ के समानुपाती होती है।

D. का कोणीय संवेग (n) के समानुपाती होता है।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

11. हाइड्रोजन परमाणु के बोर प्रतिरूप में कौन-सा कथन सही है ?

A. n वी कक्षा की त्रिज्या n^2 के समानुपाती होती है।

B. n वी कक्षा में इलेक्ट्रॉन की कुल ऊर्जा n के समानुपाती होती है।

C. किसी कक्षा में इलेक्ट्रॉन का कोणीय संवेग $\frac{h}{2\pi}$ का

पूर्ण गुणज होता है।

D. किसी कक्षा में इलेक्ट्रॉन की स्थितिज ऊर्जा का परिमाण उसकी गतिज ऊर्जा से अधिक होता है।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

12. हाइड्रोजन परमाणु λ_0 तरंगदैर्घ्य वाले विकिरण को अवशोषित कर छः अलग-अलग तरंगदैर्घ्य वाले विकिरण को उत्सर्जित करता है, जिसमे से दो तरंगदैर्घ्य λ_0 से कम हो। सही विकल्पों को चुने।

A. a.अंतिम उत्तेजित ऊर्जा पट्टी $n = 4$ है।

B. b.प्रारम्भ में हाइड्रोजन परमाणु ऊर्जा पट्टी $n = 2$

रही होगी।

C. c.प्रारम्भ में हाइड्रोजन परमाणुओं ऊर्जा पट्टी $n = 3$

रही होगी।

D. d.उत्सर्जित विकिरण में तीन लाईमेन सीरीज में है।

Answer: A::B::D

 वीडियो उत्तर देखें

13. हाइड्रोजन परमाणु के स्पेक्ट्रम के किस श्रेणी की रेखाएँ

दृश्य क्षेत्र में नहीं मिलती है ?

A. लाईमेन

B. बामर

C. पाशेन

D. ब्रेकेट

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

14. हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम की स्पेक्ट्रमी श्रेणी जो अवरक्त क्षेत्र में प्राप्त होती है, वे है

A. बामर श्रेणी

B. फुण्ड श्रेणी

C. पाशेन श्रेणी

D. लाईमेन श्रेणी

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है।

A. a. लाईमेन श्रेणी एक संतत स्पेक्ट्रम है।

B. b. पाशेन श्रेणी अवरक्त क्षेत्र में एक रेखिक स्पेक्ट्रम है।

C. c.बामर श्रेणी पराबैंगनी क्षेत्र में एक रेखिक स्पेक्ट्रम है।

D. d.हाइड्रोजन परमाणु के रदरफोर्ड मॉडल से वर्णक्रमीय श्रेणी के सूत्र की विउत्पत्ती की जा सकती है।

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

16. हाइड्रोजन परमाणु लैमन, बामर तथा पश्चान श्रेणी में स्पेक्ट्रमी रेखाएँ देता है। निम्नांकित में कौन-सा कथन सही नहीं है?

A. पाशेन श्रेणी दृश्य भाग में होती है।

B. बामर श्रेणी पराबैंगनी भाग में होती है।

C. लाईमेन श्रेणी अवरक्त भाग में होती है।

D. बामर श्रेणी दृश्य भाग में होती है।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

17. निम्नांकित में किसका द्रव्यमान इलेक्ट्रॉन के द्रव्यमान के बराबर नहीं है ?

A. प्रोटॉन का

B. हाइड्रोजन का

C. पॉजिट्रॉन का

D. न्यूट्रॉन का

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

18. निम्नांकित में कौन-सा कथन सही है?

A. इलेक्ट्रान की खीज मिलिकन ने की थी।

B. प्रत्येक धन आयन का द्रव्यमान गैस परमाणु के

द्रव्यमान के लगभग बराबर होता है।

C. केथोड किरणें मंद गतिशील इलेक्ट्रॉन होते हैं।

D. इलेक्ट्रॉन एक मूल कण है।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

19. निम्नलिखित में कौन अर्धचालक नहीं है ?

A. तांबा

B. सिलिकन

C. जर्मेनियम

D. ऐलुमिनियम

Answer: A::D



वीडियो उत्तर देखें

20. ताप बढ़ाने के साथ विद्युत प्रतिरोध बढ़ता है

A. धातुओं का

B. अर्धचालको का

C. सोने का

D. टंग्स्टन का

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

21. अर्धचालको के लिए नीमंकित में कौन-सा कथन सही है

A. प्रतिरोधकता चालक एक कुचालक के मध्य की होती

है।

B. प्रतिरोधी ताप-गुणक (temperature coefficient) घनात्मक होता है ।

C. डोपिंग से चालकता बढ़ जाती है।

D. प्रतिरोध ताप-गुणक ऋणात्मक होता है।

Answer: A::C::D

 वीडियो उत्तर देखें

22. p -टाइप का अर्धचालक है

A. आर्सेनिक असुद्धि से डोपित सिलिकन क्रिस्टल

B. ऐलीमिनियम असुद्धि से डोपित सिलिकन क्रिस्टल

C. बोरॉन असुद्धि से डोपित जर्मेनियम क्रिस्टल

D. फॉस्फोरस असुद्धि से डोपित जर्मेनियम क्रिस्टल

Answer: B::C



वीडियो उत्तर देखें

23. कौन-सा कथन सही नहीं है ?

A. n -टाइप का जर्मेनियम तरणावेशी तथा p -टाइप का

जर्मेनियम धनावेशित होता है ।

B. n -टाइप एव p -टाइप के जर्मेनियम दोनों ही उदासीन होते है।

C. n -टाइप का जर्मेनियम धनावेशित और p -टाइप का जर्मेनियम ऋनावेशित होता है।

D. n -टाइप एव p -टाइप के जर्मेनियम दोनों ही आवेशित होते है ।

Answer: A::C::D



वीडियो उत्तर देखें

24. डायोड का उपयोग नहीं होता है

A. दिष्टकारी के रूप में

B. प्रवर्धक के रूप में

C. सुसंचक के रूप में

D. मॉड्यूलेट के रूप में

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

25. n-p संधि डायोड का उपयोग किया जा सकता है

A. दिष्टकारी की तरह

B. प्रकाश ऊर्जा को विद्युत-ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए

C. प्रकाश विकिरण प्राप्त करने के लिए

D. AC सिग्नल के आयाम को बढ़ाने के लिए

Answer: A::B::C



वीडियो उत्तर देखें

26. कौन-स्सा कथन गलत है ?

- A. पूर्ण-तरंग दिष्टिकरि में दोनों डायोड एकान्तर क्रम में कार्य करते है।
- B. पूर्ण-तरंग दिष्टिकरि में दोनों डायोड एक साथ काम करते है।
- C. पूर्ण-तरंग डिस्टिकरि एव अर्ध-दिष्टिकरि में दशता समान होती है।
- D. पूर्ण-तरंग दिष्टिकरि द्वी-दिशीय होता है ।

Answer: B::C::D





वीडियो उत्तर देखें

27. ट्रांजिस्टर किस प्रकार के पदार्थ के नहीं बनाए जाते हैं?

A. धातु के

B. विद्युत्तरोधी के

C. मिश्रित अर्धचालक के

D. अपधातु के

Answer: A::B::D



वीडियो उत्तर देखें

28. n-p-n ट्रांजिस्टर के उपयोग प्रवर्धक की तरह किया जाता है। निम्नांकित में कौन-सा कथन सही है ?

- A. इलेक्ट्रॉन आधार क्षेत्र में संग्राहक क्षेत्र में जाते हैं।
- B. इलेक्ट्रॉन उत्सर्जक क्षेत्र से आधार क्षेत्र में जाते हैं।
- C. इलेक्ट्रॉन संग्राहक क्षेत्र में आधार क्षेत्र में जाते हैं।
- D. होल आधार क्षेत्र से उत्सर्जक क्षेत्र में जाते हैं।

Answer: B::D



वीडियो उत्तर देखें

29. जब एक ट्रांजिस्टर को अभयनिष्ठ उत्सर्जक (CE) में एक प्रवर्धक के रूप में प्रयोग किया जाता है, तब

A. आधार-उत्सर्जन संधि अग्र अभिनत होता है।

B. आधार-उत्सर्जन संधि उत्क्रम अभिनत होता है।

C. निवेशी सिग्नल को आरोपित विभव के साथ श्रेणीक्रम

में आधार-उत्सर्जक सिंधी को अभिनत करने हेतु

लगाया जाता है।

D. निवेशित सिग्नल को आरोपित विभव के साथ

श्रेणीक्रम के आधार-संग्रहक सिंधी को अभिनत काने

हेतु लगाया जाता है।

Answer: A::C



वीडियो उत्तर देखें

30. ऐंटेना या ऐरियल होता है

A. प्रेरक

B. धरित्र

C. कंपन का आयाम महातम करने का साधन

D. अनुनादी आवृत्ति पर प्रतिरोधक

Answer: C::D



वीडियो उत्तर देखें

31. निम्नलिखित में कौन संयंत्र पूर्णतया द्विपक्षी (ड्यूप्लेक्स) है?

A. मोबाईल फोन

B. वाकी-टाकी

C. लाउडस्पीकर

D. रेडियो

Answer: A



00 0 0 0

वीडियो उत्तर देखें